दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik
www.asliazadi.com
असली आज़ादी
SINCE 2005
■ वर्ष: 19, अंक: 189 ■ दमण, बुधवार 24 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

जनता जो चाहती है वह मिलता नहीं और जो मिल रहा वह चाहती नहीं

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में लोकसभा चुनाव प्रचार में जनता को चाहिए स्थानीय मुद्दे: पार्टी परोस रही हैं राष्ट्रीय मुद्दे

■ चुनाव प्रचार के दौरान सभाओं में नेता चिल्ला-चिल्लाकर राष्ट्रीय मुद्दों पर रख रहे बात लेकिन जनता को इससे नहीं सरोकार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में लोकसभा चुनाव प्रचार में जनता स्थानीय मुद्दे पर नेताओं से आश्वासन एवं कुछ ठोस परिणाम की आस लगाये बैठी है। लेकिन हमारे प्रदेश के नेता सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रीय मुद्दे पर ही बात कर रहे है। हालांकि नेता आधे-आधे घंटे तक यूक्रेन, 370, तीन तलाक सहित अनेक विषयों पर मतदाताओं में ज्ञान बांटने का भरसक प्रयास कर रहे है, लेकिन जनता को शायद इन सभी मुद्दों से कोई सरोकार ही नहीं है। 7 मई को होने वाले मतदान के लिए 5 मई शाम 5 बजे तक चुनाव प्रचार की अनुमति है। ऐसे में राजनीतिक दलों के पास 12 दिन का समय बचा है। अब देखना है कि इन 12 दिनों में राजनीतिक दल स्थानीय मुद्दों पर जनता के साथ सीधे संवाद करके उन्हें राजनीतिक रुप से जोड पाते है या फिर वहीं राष्ट्रीय मुद्दों पर बैठकों की खानापूर्ति कर लोगों को खाना खिलाकर अपने-अपने घर चले जाते है। लोकसभा चुनाव 5 साल में एक बार आता है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों और उसके नेताओं को जनता-जनार्दन की बात और उनके मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देते हुए चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार करनी चाहिए। लेकिन लोकशाही के सबसे बडे पर्व में नेताओं द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रवचन देने से मतदाता राजनीतिक गतिविधियों से दूर होने लगे है। आज प्रदेश में कहीं भी चुनावी माहौल दिख नहीं रहा है। सिर्फ चुनाव लडने वाले ही उत्साहित नजर आ रहे है जबकि मतदाता काफी हद तक प्रचार सभाओं से दूरी बनाये हुए है। दूसरे शब्दों में कहे तो मतदाता धीरे-धीरे निष्क्रिय दिखने लगे है। अगर यहीं स्थिति रही तो चुनाव विभाग कितनी भी कोशिश कर ले मतदान का प्रतिशत 60-65 प्रतिशत में ही सिमट कर रह जायेगा। समय अभी भी राजनीतिक दलों के हाथों में है।

हनुमान जयंती पर दीव के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने किये दर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। दीव के विभिन्न हनुमान मंदिरों में हनुमान जयंती धूमधाम से मनायी गयी। चुनाव प्रचार के लिए दीव पहुंचे भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने आज दीव जिले के विभिन्न हनुमान मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में पहुंचकर बजरंगबली के दर्शन किये और आशीर्वाद लिया। दीव जिले के वणाकबारा, नागवा, घोघला, पटलेवाडी सहित अनेक विस्तारों के हनुमान मंदिरों में हनुमान जयंती पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। जिसमें बडी संख्या में भक्तों ने पहुंचकर हनुमानजी के दर्शन किये और महाप्रसाद का लाभ लिया। इसी क्रम में भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने भी दीव जिले के विभिन्न हनुमान मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर लालू पटेल के साथ बी. एम. माछी, दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दीव प्रशासन ने समाहर्तालय में बनाया कंट्रोल रुम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा की जा चुकी है और दीव जिले में 7 मई 2024 को मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। इसी क्रम में दीव प्रशासन द्वारा समाहर्तालय दीव के प्रथम तल पर नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रुम) की स्थापना की गई है जो 24 घंटे कार्यरत है। आम नागरिकों को सूचित किया गया है कि आगामी लोकसभा आम चुनाव 2024 के मद्देनजर एक कॉल सेन्टर स्थापित किया गया है और शिकायतों को दर्ज करने एवं चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता से संबंधित भ्रष्ट आचरण पर अंकुश लगाने के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर-1950 की सुविधा प्रदान की गई है। इससे संबंधित दूरभाष सं. 02875-299844 है। साथ ही नागरिकों की सहायता एवं सुविधा हेतु सी-विजिल ऐप भी विकसित किया गया है जिसके जरिए नागरिक आदर्श आचार संहिता / व्यय संबंधी उल्लंघनों के बारे में जीपीएस समर्थित मोबाइल सेट से लाईव फोटो/विडियो/ऑडियो के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इस ऐप के जरिए की गई शिकायतों का निपटान शिकायत दर्ज करने एवं फील्ड इंक्वायरी के पश्चात 100 मिनट के भीतर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दीव में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने हेतु चुनाव प्रक्रिया के दौरान आदर्श आचार संहिता / व्यय संबंधी उल्लंघनों के बारे में शिकायत दर्ज करने में आम नागरिकों को जागरूक करने एवं उनकी सहायता हेतु प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम, कॉल सेन्टर, टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर एवं सी-विजिल ऐप की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

चुनाव का पर्व देश का गर्व थीम के साथ दानह निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 अप्रैल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत दादरा नगर हवेली जिले के निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम द्वारा व्यवस्थित मतदान शिक्षण तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत मतदाताओं की अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से निर्वाचन विभाग की स्वीप टीम द्वारा रिस्पॉसिबल ऑफिसर एवं चीफ ऑफिसर (सिलवासा नगरपालिका) संग्राम शिंदे के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत बृजभूषण झा प्राचार्य और उनकी टीम द्वारा नरोली, खरडपाडा, किलवणी और गलोंडा की आंगणवाड़ी वर्करों तथा हेल्परों को मतदान संबंधी जानकारी देते हुए वोटर हेल्पलाइन, वोट के दिन ले जाने हेतु महत्वपूर्ण दस्तावेजों मतदान से संबंधित जानकारी हेतु 1950 तथा 1077 द्वारा दी जाने वाली सेवाएं, सी-विजिल एप और वोट के महत्व की जानकारी दी गई। सभी को मतदाता शपथ भी दिलाई गई। इसके साथ-साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को अधिक प्रोत्साहित करने हेतु स्वीप टीम द्वारा प्रमुख गार्डन सोसायटी, विराज दर्शन सोसायटी साई रेजिडेंसी, गोकुल बिहार टोकरखाड़ा और दुधनी में मतदान संबंधी जानकारी के साथ नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया और सभी को मतदाता शपथ भी दिलाई गई। चुनाव का पर्व देश का गर्व की थीम को आत्मसात कर स्वीप टीम व्यवस्थित मतदान शिक्षण और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत दादरा नगर हवेली में विभिन्न आयोजनों द्वारा जन-जन तक वोट संबंधी जानकारी पहुंचाने के लिए पूर्णतः प्रयासरत है। स्वीप टीम द्वारा सोशल मीडिया के अंतर्गत इंस्टाग्राम (sveepdnh2024) और फेसबुक पर भी मतदान जागरूकता कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी जाती है जिससे अधिक से अधिक संख्या में आम जनता को मतदान संबंधी जानकारी प्राप्त हो सके और उन्हें वोट देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्रदेशवासियों से अनुरोध है कि इंस्टाग्राम और फेसबुक को फॉलो करें और अधिक से अधिक संख्या में इन सुविधाओं का लाभ उठाते हुए मतदान संबंधी संपूर्ण जानकारी प्राप्त करें तथा 7 मई 2024 को मतदान केंद्र पर जाकर अपना बहुमूल्य वोट अवश्य दें।

सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल भीमपोर में बच्चों को दी गयी कानूनी जानकारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 अप्रैल। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण-दीव के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दमण श्री श्रीधर एम. भोंसले के मार्गदर्शन और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के को-मेम्बर सेक्रेटरी एवं सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं मुख्य न्यायाधीश श्री पवन एच. बनसोड की अध्यक्षता में भीमपोर के सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल में आज मेगा कानूनी जागरुकता कैम्प का आयोजन किया गया। राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन के सहयोग से आज सुबह 10 बजे भीमपोर के सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल में आयोजित मेगा कानूनी जागरुकता कैम्प में बच्चों को कानूनी जानकारी दी गयी। इस अवसर पर सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं मुख्य न्यायाधीश श्री पवन एच. बनसोड ने बच्चों को संविधान में दिये गये विभिन्न अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को मौलिक अधिकार, समानता अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार के बारे में जानकारी दी। इस दौरान वकील स्मीता गोहिल ने बच्चों के अधिकारों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी। वकील अल्पेश दमणिया ने कानूनी सेवा प्राधिकरण/ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के माध्यम से आपदा पीडित योजना के बारे में बच्चों को बताया। वकील उदय पटेल ने भारत के संविधान के भाग-4 के तहत मौलिक अधिकारों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर भीमपोर सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति पटेल, शिक्षकों एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वकील स्मीता गोहिल ने किया और आभार विधि वकील उदय पटेल ने किया।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर की बाबा की खिंचाई... प्रकाशित माफीनामे के साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से अपनी दवा कोरोनिल को कोरोना से निपटने वाली औषधि बताने के प्रचार पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर लताड़ लगा दी। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव से कहा था कि वे इस मामले में सार्वजनिक माफी मांगें। इसके पहले बाबा रामदेव और पतंजलि के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अदालत में हाथ जोड़कर माफी मांगी थी। लेकिन कोर्ट ने उन दोनों की माफी को खारिज कर दिया था। इसके बाद बाबा ने कहा था कि हम सार्वजनिक माफी के लिए तैयार हैं। इसके बाद अदालत ने एक सप्ताह का वक्त दिया था। अब अदालत ने अखबारों में छपे माफीनामे पर ही सवाल उठा दिया। बेंच ने सवाल किया कि आखिर माफीनामा कल ही क्यों प्रकाशित किया गया। इसके अलावा बेंच ने सवाल उठाया कि क्या आपका माफीनामा उतना ही बड़ा छपा है, जितना बड़ा विज्ञापन होता है। इस पर पतंजलि आयुर्वेद के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस माफीनामे में सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की पेशी के बाद भी प्रेसवार्ता करने और विज्ञापन में गलत दावा करने पर माफी मांगी गई है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट की ओर से विज्ञापन और माफीनामे के साइज को लेकर जब सवाल उठाया गया, तब उन्होंने कहा कि इसके प्रकाशन में 10 लाख रुपये का खर्च आया है। बाबा के वकील ने बताया कि हमने कल कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से छपे माफीनामे में कहा गया है, पतंजलि आयुर्वेद सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का बेहद सम्मान करता है। हम विज्ञापन छपवाने और सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के बयान के बाद भी प्रेसवार्ता करने के लिए माफी मांगते हैं। हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि भविष्य में ऐसी कोई गलती न हो।

रिपोर्ट में हुआ खुलासा- जहर से नहीं हुई मुख्तार अंसारी की मौत

बांदा। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 (गुरुवार) को देर रात मौत हो गई थी। इसको लेकर आरोप लग रहे थे कि मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया है। अब विसरा की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें जहर से मरने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट को न्यायिक टीम को सौंप दी गई है। इससे पहले बांदा जेल में मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके भाई, बेटे और परिजनों ने मुख्तार को जेल में जहर देने का आरोप लगाया था। जिसके लिए प्रशासनिक व न्यायिक जांच बैठी थी। जानकारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद भी जहर देने के शक में विसरा लखनऊ जांच के लिए भेजा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुख्तार अंसारी की विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे न्यायिक जांच टीम को भेजा गया है। रिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं की गई है बता दें कि बांदा जेल की बैरक में मुख्तार अंसारी की तबीयत खराब होने पर जेल प्रशासन रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले आए थे जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। सूचना मिली कि मुख्तार को आईसीयू से सीसीयू में भर्ती करना पड़ा। यहां मुख्तार के इलाज में 9 डॉक्टरों की टीम लगाई गई थी। हालांकि, मुख्तार की जान नहीं बच सकी। इससे पहले मंगलवार को उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने कब्ज की समस्या बताई थी और इलाज के बाद उसी दिन कारागार भेज दिया था।

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में सबसे आगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में कर्नाटक और गुजरात सबसे आगे हैं, जबकि झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। शोध संगठन इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और एम्बर ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है। दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में सौर ऊर्जा जैसी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा होती हैं। आईईईएफए के निदेशक (दक्षिण एशिया) और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक विभूति गर्ग ने कहा कि चक्रीय मौसमी परिस्थितियों के साथ ही तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत में हर साल अधिकतम बिजली की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़ने के लिए कदम उठा रही है, हालांकि राज्यों को भी ऐसा करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब राज्य स्तर पर कई मापदंडों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है। एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक आदित्य लोला ने कहा कि कुछ राज्यों ने विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नियोजन को बढ़ावा देने, कृषि जरूरतों के लिए सौर पंपों को बढ़ावा देने और अपनी बिजली प्रणालियों में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ने के लिए भंडारण समाधान बढ़ाने जैसे प्रगतिशील कदम उठाए हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर साढ़े छह करोड़ का सोना-हीरा जब्त, चार गिरफ्तार

मुंबई। पिछले कुछ महीनों से देशभर में सोने की तस्करी की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी हुई है। उधर, कस्टम विभाग के अधिकारी भी बढ़ रहे मामलों को देखते हुए सतर्क हैं और सोने की तस्करी करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कर रहे हैं. इस बीच कस्टम विभाग ने सोमवार को मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नूडल्स और अंडरवियर के पैकेट के जरिए तस्करी कर लाए जा रहे करोड़ों रूपये मूल्य के सोना और हीरा जब्त किया है. मिली जानकारी के अनुसार कस्टम विभाग को इसकी जानकारी मिली थी. सूचना मिलते ही अधिकारियों ने संदिग्धों की तलाश की. इस दौरान आरोपियों के पास 254.71 कैरेट के प्राकृतिक हीरे और 977.98 कैरेट के प्रयोगशाला में विकसित हीरे कुल 2 करोड़ रुपये के हीरे पाए गए। इसके अलावा आरोपियों के पास 4.4 करोड़ रुपये मूल्य का 6.8 किलो सोना भी मिला. इन हीरों के साथ-साथ सोने की तस्करी नूडल्स के पैकेट और अंडरगारमेंट्स में की गई थी। इस मामले में कस्टम विभाग के अधिकारियों ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जब हीरे और सोने की कुल कीमत करीब 6 करोड़ 46 लाख रुपये है. बताया गया है कि कोलंबो से मुंबई आये एक विदेशी नागरिक को हवाई अड्डे पर रोका गया और उसके अंडरगारमेंट्स के अंदर छुपाकर 24 कैरेट सोने की छड़ें और एक कटा हुआ टुकड़ा, जिसका कुल वजन 321 ग्राम था, ले जाते हुए पाया गया। वहीं मुंबई से बैंकॉक जा रहे एक भारतीय नागरिक को रोका गया और उसे अपने ट्रॉली बैग के अंदर नूडल्स के पैकेट में छिपाकर हीरे की तस्करी करते हुए पाया गया। प्राकृतिक हीरे 254.71 कैरेट और प्रयोगशाला में विकसित हीरे 977.98 कैरेट जिनकी कीमत 2.02 करोड़ रुपये है, बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक इतनी बड़ी मात्रा में जब्त किया गया सोना विमान के जरिए विदेश से तस्करी कर लाया जा रहा था. मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारी ने चारों आरोपियों से गहन पूछताछ कर उन्हें कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आपको बता दें कि पिछले महीने कस्टम विभाग की टीम ने तस्करी के दो बड़े मामलों में दुबई से लाया गया करोड़ों रुपये का सोना जब्त किया था.

सलमान खान के बाद अब विधायक जितेंद्र आह्वाड बिश्नोई गैंग के रडार पर

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता सलामन खान के घर पर गोली चलाई गई। वहीं इस फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी सोशल मीडिया के जरिए बिश्नोई गैंग ने ली. इसके बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दिया और दो लोगों को गुजरात के भुज से गिरफ्तार किया. इसके बावजूद बिश्नोई गैंग शांत नहीं है. अब उसने शरद पवार गुट के एनसीपी नेता व विधायक जितेंद्र आह्वाड को अपने रडार पर लिया है. खबर है कि इस गैंग ने उन्हें धमकी देते हुए लाखों रुपये की फिरौती मांगी है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग महाराष्ट्र में सक्रिय- लॉरेंस बिश्नोई पंजाब का एक गैंगस्टर है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं. इसी गैंग ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसवाला की हत्या की थी. जिसके बाद हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है. गैंग के दो लोगों ने पिछले हफ्ते सलमान खान के मुंबई के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट पर पांच राउंड फायरिंग की थी। पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए कई टीमें बनाईं.

वोटरों को बूथ तक लाने के लिए भाजपा ने बनाई विशेष रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बचे हुए छह चरणों में मतदाताओं को बूथ तक लाने के लिए भाजपा ने विशेष रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी की कोशिश है कि अपने कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा उत्साहित कर मतदाताओं को वोटिंग वाले दिन मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि मतदान का प्रतिशत भी बढ़े और पार्टी की जीत का अंतर भी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिन में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं से लोगों के घर-घर जाकर वोटरों से सीधा संपर्क स्थापित करने और मतदान के दिन टोलियां बनाकर उत्सव मनाते हुए पोलिंग बूथ पर जाने का आह्वान किया था। उन्होंने देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदाताओं को वोट करने के लिए प्रेरित करने की नसीहत देते हुए कहा था, ÷मेरा आपसे अनुरोध है कि आप घर-घर जाइए, सभी मतदाताओं के पास जाकर इन सारे विषयों के बारे में घर में बैठकर उन्हें बताइए और उनसे वादा लीजिए कि घर में शादी हो या छुट्टी हो लेकिन वे वोट करने जाएंगे। उनसे पक्का वादा लीजिए और और दूसरा काम, जब मतदान हो तो अपने पोलिंग बूथ पर उत्सव मनाइए। यह लोकतंत्र का उत्सव है, आनंद उत्सव होना चाहिए। छोटी-छोटी 15-20 लोगों की टोलियां बनाकर गीत गाते-गाते मतदान करने के लिए जाएं और हमारे गांव वाले तो तुरंत गीत बना भी लेते हैं। लोकतंत्र का जय-जयकार करते हुए जाए, उत्सव मनाएं और फिर मतदान कर वापस लौटें। तीसरा काम, हमें पोलिंग बूथ जीतना है। हमें एक भी पोलिंग बूथ हारना नहीं है। घर-घर जाना है। मतदाताओं को मिलकर सारी बातें बतानी है, सिर्फ दरवाजे पर पर्चा देकर नहीं आना है, बल्कि उनके घर में जाकर बैठना है, उनका पानी पीना है और उनसे 5-10 मिनट बात करनी है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद सोमवार को ही देर रात भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिस बैठक में नड्डा के अलावा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, विनोद तावड़े, तरुण चुग, अरुण सिंह और दुष्यंत गौतम सहित अन्य कई नेता शामिल हुए।

सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को देर रात तक चली बैठक में शाह और नड्डा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देशभर में चलाए रहे चुनाव प्रचार अभियान, प्रथम चरण के तहत देश के 21 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे तमाम चुनावी अभियानों की समीक्षा की। सूत्रों की मानें तो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के मुताबिक बैठक में बूथ स्तर तक जाकर चुनाव के बचे हुए 6 चरणों मे मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए घर-घर जाकर उन्हें अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर और कांग्रेस के घोषणापत्र सहित उन तमाम मुद्दों के बारे में जानकारी देने की रणनीति भी तैयार की गई, जिन मुद्दों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपनी चुनावी जनसभाओं में लगातार उठा रहे हैं।

भारत तोड़ो की राजनीति तुरंत बंद करे कांग्रेस : प्रमोद सावंत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता विरियाटो फर्नांडीस के गोवा पर भारतीय संविधान थोपने संबंधी बयान पर राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भयावह करार देकर निशाना साधा है। सीएम सावंत ने कहा मैं इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान से स्तब्ध हूं। कांग्रेस को भारत तोड़ो राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। गोवा के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक प्रमोद सावंत ने एक्स पर कांग्रेस नेता फर्नांडीस के चुनावी सभा में भारतीय संविधान को लेकर टिप्पणी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस के दक्षिण गोवा उम्मीदवार की टिप्पणियों से स्तब्ध हूं, जिसमें दावा किया है, कि भारतीय संविधान को गोवावासियों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का पूरे दिल से मानना था कि गोवा भारत का अभिन्न अंग है। कांग्रेस ने गोवा की मुक्ति में 14 वर्ष की देरी की। अब, उनके उम्मीदवार ने भारतीय संविधान को कमजोर करने की हिम्मत की। सीएम सावंत ने कहा कि कांग्रेस को इस लापरवाह भारत तोड़ो राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। कांग्रेस हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है। गौरतलब है कि फर्नांडीस दक्षिण गोवा से कांग्रेस के लोक सभा उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा था कि वर्ष 1961 में पुर्तगाली शासन से आजादी के बाद गोवा पर भारतीय संविधान थोपा गया था। इस दौरान फर्नांडीस ने पिछले लोकसभा के दौरान राहुल गांधी के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैंने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान उनके सामने भी इस मुद्दे को उठाया था।

योगी आदित्यनाथ की हुंकार, बोले- भारत अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा देश, किसी शरिया कानून से नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और कहा कि भारत 'भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं'। उत्तर प्रदेश में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि 1970 में, पार्टी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, और, 'ग़रीबी तो ख़त्म नहीं हुई लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी आज़ादी मिल गई।'

योगी ने आगे कहा, 'तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है...तो हमारे दलित, पिछड़े, गरीब, किसान आदि कहां जाएंगे?' उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों का शासन रहा, फिर भी 50 करोड़ लोगों के पास बैंक खाता नहीं था...अगर इतने सारे लोग इन बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं तो इसके लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी जिम्मेदार हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे (कांग्रेस) गरीबी दूर नहीं कर पाए लेकिन अब उनकी नजर लोगों की मेहनत की कमाई, संपत्ति और आभूषणों पर है। वे महिलाओं की मेहनत की कमाई और उनकी मेहनत से बनाए गए आभूषणों को लूटने की कोशिश कर रहे हैं... वे केवल देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं... अब भारत के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे।' बागपत में योगी आदित्यनाथ ने कहा ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में दो बाते नजर आती हैं पहला- कांग्रेस कहती है कि शरिया कानून लागू कर देंगे इसका मतलब वे बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के लिए खतरा पैदा करना चाहते हैं। तालिबानी शासन लागू करना चाहते हैं। उनका घोषणा पत्र कहता है कि गरीबी हटा देंगे। वो बेटी, बहनों और माताओं के गहनों को जब्त करने की साजिश रच रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि आज जो INDI गठबंधन के रूप में आपके सामने आए हैं उन्होंने देश के साथ गद्दारी की है और फिर से गद्दारी करने के लिए ये अपने घोषणापत्र के साथ आपके सामने आए हैं... कांग्रेस कहती है कि हमारी सरकार बनी तो हम शरिया कानून लागू करेंगे...भारत बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा न कि किसी शरिया कानून से।

आवैसी का हमला, मोदी, शाह और योगी सभी के 6-7 भाई बहन

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और दिवंगत अटल बिहारी वाजेपेयी के परिवार पर सवाल उठा दिया। पीएम मोदी के बयान को लेकर उन्होंने कहा, क्या हम (मुसलमान) घुसपैठिए और कई बच्चों वाले लोग हैं? क्या आप जानते हैं, कि अटल बिहारी वाजपेयी के कितने भाई-बहन थे। वाजपेयी को लेकर भाई-बहनों की संख्या 7 थी। क्या वह परिवार ज्यादा बच्चा पैदा करने वाला नहीं हुआ? क्या मुसलमान बहुत सारे बच्चे रखने वाले लोग हैं?

पीएम मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अगले माह पंजाब में रैलियों व बैठकों में हिस्सा लेंगे

-पुलिस सुरक्षा के लिये तैयार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अगले महीने पंजाब आएंगे। वे रैलियों व बैठकों में हिस्सा लेंगे। इसके लिये मान सरकार की आम राज्य प्रबंध विभाग की प्रोटोकॉल शाखा ने सभी विभाग के प्रमुख, डीसी, पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा इंतजाम को लेकर एक पत्र जारी किया है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि पीएम की सुरक्षा के इंतजाम को लेकर नियमों का पालन किया जाए। पत्र के अनुसार राज्य स्तर पर सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर जो भी इंतजाम किए जाते हैं वह पूरे होने चाहिए। इसमें सुरक्षा बैरिकेड्स, पार्किंग सुविधा व हेलीपैड समेत अन्य प्रबंध शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा जल्द ही अपने स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी करने की तैयारी कर रही है। इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता भी अगले माह से पंजाब में दस्तक देना शुरू कर देंगे। भाजपा ने अभी तक 9 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। दोनों पार्टियों के अनुसार सभी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही वह प्रदेश में अपना प्रचार भी तेज कर देंगे। बता दें कि भाजपा ने चुनाव आयोग से अपील की थी कि पीएम सुरक्षा के लिए अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियां शामिल होती हैं। अनुभव न होने के चलते राजनीतिक दलों के प्रबंधकों को सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि बेहतर सुरक्षा प्रबंधन के लिए राज्य व जिला अथॉरिटी को प्रधानमंत्री की बैठकों, रोड शो व रैली के लिए कार्यक्रम के स्थान पर सभी इंतजाम की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए जिसमें वह सभी सुरक्षा एजेंसियों व तय राजनीतिक नेताओं से संपर्क कर सकते हैं। इस सब के बाद ही चुनाव आयोग ने इस संबंध में पंजाब सरकार को निर्देश जारी किए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2022 जनवरी माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला भी सामने आया था। वह हुसैनीवाला में जनसभा को संबोधित करने आए थे तब कुछ प्रदर्शनकारियों ने उनका रास्ता रोक लिया था। इस दौरान वह करीब 15-20 मिनट तक वहीं फंसे रहे थे और बाद उनका काफिला वापस लौट गया था।

भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन कर सकता : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर कहा कि भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन की सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप भी लगाया कि पिछले 10 वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेच दिए गए। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, पीएम मोदी आपको ये सब कभी नहीं बताएंगे कि 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है।

उन्होंने दावा किया कि देश में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत गरीबों, निम्न मध्य वर्ग और मध्य वर्ग से आता है। रमेश ने कहा, पिछले दस वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बिके हैं। अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार के कारण महंगाई बढ़ी है। उनके मुताबिक, आज 21 अरबपतियों के पास कुल मिलाकर 70 करोड़ भारतीयों से अधिक संपत्ति है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, भारत को तेज आर्थिक विकास की जरूरत है। भारत को बहुत अधिक समावेशी आर्थिक विकास की आवश्यकता है। भारत को अधिक टिकाऊ पर्यावरणीय विकास की आवश्यकता है। केवल इंडिया गठबंधन ही यह तीनों कर सकता है और करेगा।

आप नेता का आरोप... पीएम मोदी 24 घंटे सीसीटीवी से केजरीवाल की निगरानी कर रहे

-जेल में रोज झाड़ू लगा रहे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने मोदी सरकार पर अटैक कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौबीसों घंटे सीसीटीवी से अरविंद केजरीवाल की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एलजी का ऑफिस भी इसी काम में लगा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री रोज तिहाड़ जेल में झाड़ू लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज मैं जो सच बताने जा रहा हूं, यह बात सुनकर सब हैरान हो जाएंगे...तिहाड़ जेल केजरीवाल के लिए यातना गृह बन गया है। आप को याद होगा कि हिटलर भी अपने विरोधियों के लिए यातना गृह बनाता था। आज वहीं हो रहा है।

आप नेता सिंह ने कहा, तिहाड़ में बंद केजरीवाल पर पीएमओ और एलजी ऑफिस 24 घंटे निगरानी रख रहा है। पीएम मोदी लिंक मंगा कर देखते हैं, कि केजरीवाल क्या कर रहे हैं। आखिर इतनी निगरानी क्यों है? क्या देख रहे हैं, क्या देखना चाहते हैं? केजरीवाल को दवा मिली कि नहीं? खाना मिला कि नहीं? कितना पढ़ रहे हैं? कितना लिख रहे हैं? आप देखना क्या चाहते हैं? आप ये देखना चाहते हैं कि केजरीवाल कितना बीमार हुए, उनका स्वास्थ्य बिगड़ा की नहीं? यह देखना चाहते है कि वह कितना टूटे, कितना मनोबल टूटा। एलजी भी इसी काम में लगे हुए है।

आप के राज्यसभा सांसद ने कहा, केजरीवाल से प्रतियोगिता करना है, तब काम की राजनीति करिए। बनाइए स्कूल और अस्पताल। सड़कें बनाइए... महंगाई कम कीजिए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करे। आप को किसानों, महिलाओं और युवाओं की चिंता करनी चाहिए। लेकिन आप केजरीवाल का मनोबल गिराने की चिंता कर रहे हैं। 24 घंटे उनकी निगरानी कर रहे हैं। आप के इस अत्याचार को पूरा देश देख रहा है। केजरीवाल जेल में रोज झाड़ू लगा रहे हैं। केजरीवाल जितना जेल में झाड़ू लगाएंगे, उतना भाजपा बाहर साफ होगी। पूरे देश से सफाया होगा।

संजय सिंह ने कहा, सारे नियम-कानून तोड़कर जेल में केजरीवाल के सीसीटीवी कैमरे का लिंक मंगाकर देख रहे हैं। इसलिए बार-बार दोहराना पड़ता है कि केजरीवाल के खिलाफ साजिश चल रही है। उनके खिलाफ कोई भी अनहोनी हो सकती है।

कांग्रेस के लिए झटका.... एनडीए गठबंधन को मिला मेगास्टार चिरंजीवी का साथ

अमरावती (एजेंसी)। लोकप्रिय टॉलीवुड हीरो और पूर्व केंद्रीय मंत्री कोनिडेला चिरंजीवी द्वारा एक वीडियो बयान में आंध्र प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच गठबंधन का स्वागत किया, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है। पेंडुरथी विधानसभा क्षेत्र से जनसेना पार्टी के प्रत्याशी पंचकरला रमेश बाबू और अनकापल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सीएम रमेश के साथ मेगास्टार के रूप में मशहूर चिरंजीवी ने लोगों से समग्र विकास के लिए सही और ईमानदार उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की।

अपने संदेश में चिरंजीवी ने कहा कि मुझे राजनीति के बारे में बात करते हुए कई साल हो गए हैं। इतने वर्षों के अंतराल के बाद अब राज्य की राजनीति पर बोलने का मुख्य कारण मेरे छोटे भाई और जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण हैं। चिरंजीवी ने कहा कि यह एक अच्छा विकास है कि पवन, टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू और भाजपा नेतृत्व गठबंधन बनाने के लिए एक साथ आए हैं। मेरे लिए अब आपके सामने आने का एक और कारण यह है कि मेरे करीबी दोस्त सीएम रमेश और मेरे करीबी एक अन्य नेता पंचकरला रमेश चुनाव लड़ रहे हैं। वे अच्छे और कुशल हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि वे अनाकापल्ली के विकास के लिए काम करना जारी रखने वाले है।

उन्होंने स्वीकार किया है कि आंध्र की राजनीति में हाथ आजमाने का उनका अनुभव सुखद नहीं रहा। उन्होंने 2009 के चुनावों में एनटी रामाराव जैसी तत्काल सफलता का स्वाद चखने की उम्मीद में, 2008 में बड़ी धूमधाम से प्रजा राज्यम की शुरुआत की। हालांकि, उनकी पार्टी को सिर्फ 18 सीटें ही मिलीं। मेगास्टार जैसे अहंकार बढ़ाने वाले ऊंचे नाम की सुंदरता के आदी चिरंजीवी के लिए, संयुक्त आंध्र प्रदेश में 294 विधायकों में से केवल एक होना एक बड़ी गिरावट थी।

बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया और बदले में उन्हें राज्यसभा सीट और केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय मिला। 2014 में कांग्रेस के सत्ता खोने के बाद, चिरंजीवी पूरे समय के लिए ग्रीसपेंट और स्टूडियो आर्क लाइट की परिचित दुनिया में लौट आए। चिरंजीवी के समर्थन ने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को भी आश्चर्यचकित कर दिया, जिसने पिछले दिन ही लोगों को याद दिलाया था कि अभिनेता अभी भी पार्टी के रिकॉर्ड के सदस्य हैं। वहीं इसके नेताओं ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तब वे कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार भी कर सकते हैं। इस बात पर ध्यान न दें कि अभिनेता को कई वर्षों से कभी भी किसी पार्टी मंच पर नहीं देखा गया था।

पिछले हफ्ते, चिरंजीवी ने पार्टी के चुनाव खर्च में मदद के लिए अपने छोटे भाई और जन सेना के प्रमुख पवन कल्याण को 5 करोड़ रुपये का चेक भी दिया था। पवन ने खुद आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि वह 2014 से ही चिरंजीवी के आशीर्वाद का इंतजार कर रहे थे जब उन्होंने जन सेना लांच की थी।

सूत्रों का कहना है कि चिरंजीवी को काफी समय से सूक्ष्म तरीके से लुभाया जा रहा है। पिछले साल ऑस्कर में फिल्म आरआरआर की सफलता के बाद चिरंजीवी और अभिनेता-बेटे राम चरण को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में सम्मानित किया था। सीएम रमेश का

दावा है कि उन्होंने उस बैठक में मदद की। रमेश का कहना है कि चिरंजीवी के प्रशंसक होने के अलावा, वह अभिनेता को उस दिन से व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, जब उन्होंने 2012 में राज्यसभा के सदस्यों के रूप में एक साथ शपथ ली थी।

पहला कॉलम

रिपोर्ट में हुआ खुलासा- जहर से नहीं हुई मुख्तार अंसारी की मौत

बांदा। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 (गुरुवार) को देर रात मौत हो गई थी। इसको लेकर आरोप लग रहे थे कि मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया है। अब विसरा की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें जहर से मरने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट को न्यायिक टीम को सौंप दी गई है। इससे पहले बांदा जेल में मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके भाई, बेटे और परिजनों ने मुख्तार को जेल में जहर देने का आरोप लगाया था। जिसके लिए प्रशासनिक व न्यायिक जांच बैठी थी। जानकारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद भी जहर देने के शक में विसरा लखनऊ जांच के लिए भेजा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुख्तार अंसारी की विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे न्यायिक जांच टीम को भेजा गया है। रिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं की गई है।बता दें कि बांदा जेल की बैरक में मुख्तार अंसारी की तबीयत खराब होने पर जेल प्रशासन रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले आए थे जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। सूचना मिली कि मुख्तार को आईसीयू से सीसीयू में भर्ती करना पड़ा। यहां मुख्तार के इलाज में 9 डॉक्टरों की टीम लगाई गई थी। हालांकि, मुख्तार की जान नहीं बच सकी। इससे पहले मंगलवार को उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने कब्ज की समस्या बताई थी और इलाज के बाद उसी दिन कारागार भेज दिया था।

नगालैंड में भारत सरकार के खिलाफ विद्रोह?

- पिछले दो माह से आंदोलन, सरकारी कामकाज ठप्प

कोहिमा। कोहिमा में पिछले दो माह से पृथक फ्रंटियर नगालैंड बनाने की मांग हो रही है। नागालैंड के मोन, देसांग, किफरे,लोंगलेग,नौकलॉक और शामाटोर के 6 जिलों में पिछले 2 महीने से आंदोलन चल रहा है। यहां के बाजार बंद है। आंदोलनकारियों की अनुमति से कभी-कभी बाजारों को खोल दिया जाता है। सरकारी कार्यालय में कर्मचारी नहीं पहुंच रहे है। केंद्र सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। जिसके कारण नगालैंड मे पिछले 2 महीने से केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन चल रहा है।

लोकसभा के चुनाव में मतदान नहीं

19 अप्रैल को यहां पर लोकसभा का मतदान होना था। एक भी मतदाता ने अपना वोट नहीं डाला। यहां तक की 6 जिलों के 20 विधायकों ने भी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया। चुनाव आयोग ने 738 मकान केंद्र बनाए थे। सभी 6 जिलों ने पूरी तरह से मतदान का बहिष्कार किया। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो का कहना है,वह स्थानीय लोगों की मांग से सहमत है। उन्होंने जो किया वह ठीक ही किया। नगालैंड की सरकार आंदोलनकारी से कोई टकराव नहीं लेना चाहती है। उल्लेखनीय है,पूर्वी नागालैंड पीपल्स ऑर्गेनाइजेशन की धमकी का असर मतदान में देखने को मिला। विधायकों अथवा मतदाताओं ने मतदान का विरोध करके, केंद्र सरकार को चेतावनी दी है।

पीएम मोदी के खिलाफ शिकायत करने आयोग पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी के 21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा वाले भाषण के बाद चुनाव आयोग की भूमिका पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पीएम मोदी के दावों की कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना कर उन्हें झूठा बताया है। कांग्रेस मामले में चुनाव आयोग भी पहुंची है। बीजेपी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन से जुड़ी 16 शिकायतें कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सौंपी हैं। पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देकर मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें घुसपैठिए और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला कहा गया था। हालांकि पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जिस 18 साल पुराने भाषण का ज्रिक किया है, उसमें मनमोहन ने मुसलमानों को पहला हक देने की बात नहीं कही थी। मनमोहन ने 2006 में कहा था, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर ये सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानों का भी उत्थान हो सके, विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला दावा होना चाहिए। मनमोहन ने अंग्रेजी में दिए गए भाषण में क्लेम शब्द का इस्तेमाल किया था। पीएम मोदी के बयान की आलोचना ये कहकर भी हो रही है कि वे कैसे देश के करीब 20 करोड़ मुसलमानों के लिए घुसपैठिया शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, इंडी अलायंस के लिए जो भारत में गैर-कानूनी ढंग से घुसते हैं, वे देश की जनता से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। इस मामले में राजनीतिक शिकायतों के अलावा, आम नागरिकों ने भी चुनाव आयोग से मांग की है कि इस हेट स्पीच के लिए पीएम मोदी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इन सारी आलोचनाओं के केंद्र में फिर आयोग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

पीएम बोले- हर तरफ एक ही गूंज फिर एक बार मोदी सरकार

ईमानदार सरकार ही देश का कर सकती है विकास

जयपुर । (एजेंसी)

पीएम मोदी ने विजय शंखनाद रैली में टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर तरफ एक ही गूंज फिर एक बार मोदी सरकार. जब-जब हम बंटे है, तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है स्थिर और ईमानदार सरकार विकास के लिए क्या सकती है, 10 वर्षों में सबने देखा है. 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले है। पीएम ने कहा कि आज बजरंगबली की जयंती है और मेरा सौभाग्य है. कि आज शूरवीरों की धरती पर आने का सौभाग्य मिला है. सभा का समय पहले दे दिया था लेकिन अभी तक भी लोगों का हुजूम उमड़ रहा है. लगता है कि यह हुजूम सभा समाप्त होने तक आता रहेगा. और ये जोश साबित करता है कि अबकी बार 400 पार। पीएम मोदी ने लोक देवताओं के जयकारे से अपना सम्बोधन शुरू करते हुए कहा कि 2014, 2019 में राजस्थान ने भाजपा को आशीर्वाद दिया। राजस्थान ने 25 सीटें देकर भाजपा की झोली भर दी। आपके वोट ने देश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ईमानदार सरकार देश का विकास कर सकती है। राजस्थान के लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया को कांग्रेस के उनियारा विधायक हरीश मीणा तगड़ी चुनौती दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 2014 में आपने मोदी को दिल्ली में सेवा का अवसर दिया तो देश ने वह फैसले लिए जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी लेकिन अगर कांग्रेस 2014 के बाद भी और आज भी अगर दिल्ली में होती तो क्या-क्या हुआ होता। कांग्रेस होती तो जम्मू-कश्मीर में आज भी हमारी सेनाओं पर पत्थर चल रहे होते, कांग्रेस होती तो सीमा पार से आकर दुश्मन आज भी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते और कांग्रेस सरकार कुछ न करती, हमारे सैनिकों के लिए वन रैंक-वन पेंशन लागू नहीं होता, देश के कोने-कोने में बम धमाके होते ही रहते। कांग्रेस होती तो अपने लिए भ्रष्टाचार के नए रास्ते तलाशती।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोंक में कहा, एकता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। जब-जब हम बंटे हैं तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अब भी राजस्थान और यहां के लोगों को बांटने की पूरी कोशिश हो रही है, इससे राजस्थान को सावधान रहने की जरूरत है।

-आर्मी हेडक्वार्टर पर दागे 35 रॉकेट

हिजबुल्लाह ने किया इजराइल पर मिसाइल से हमला

नई दिल्ली । (एजेंसी)

ईरान-इजरायल में जारी तनातनी के बीच इजराइल पर फिर से मिसाइल की बौछारें हुई हैं।इस बार ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइल पर मिसाइल से हमला कर दिया है। हमास के सहयोगी और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने इजरायल के आर्मी हेडक्वार्टर को निशाना बनाया बनाकर दर्जनों कत्युशा रॉकेट से हमला किया है। इजरायली सेना और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच लगभग रोजाना सीमा पार से गोलीबारी हो रही है।लेकिन इस बार हिजबुल्लाह ने इजरायली सेना के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया है।फिलहाल, इजरायल-ईरान तनाव अब तक के उच्चतम स्तर पर है और इसी बीच लेबनानी शिया चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने सीमा पार इजरायली सैन्य ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं.हिजबुल्लाह ने अपने बयान में कहा कि उसने दर्जनों कत्युशा रॉकेटों के साथ इजरायली ईन जीटिम बेस पर 91वें डिवीजन के तीसरे इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय पर बमबारी की है।हिजबुल्लाह का यह हमला लेबनान के दक्षिणी गांवों और नागरिक घरों पर इजरायली हमलों के जवाब में है।

एक समाचार एजेंसी ने सोमवार को तीन गांवों पर इजरायली हमले की सूचना दी थी.वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि लेबनान से उत्तरी इजरायल के ईन जीटिम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लगभग 35 रॉकेटों की पहचान की गई और इस हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।इजरायली सेना ने आगे कहा कि उसकी सेना ने दागे गए रॉकेट के सोर्स पर हमला किया है। बता दें कि 7 अक्टूबर के बाद से लेबनान में 376 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से सबसे अधिक हिजबुल्लाह के लड़ाके हैं और 70 आम नागरिक हैं।वहीं, इजरायल की तरफ से 10 जवान और 8 नागरिकों की मौत हो चुकी है।हिजबुल्लाह का इजरायल के साथ आखिरी बड़ा युद्ध 2006 में हुआ था। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास के अभूतपूर्व हमले के बाद से गाजा में युद्ध जारी है।

क्रेडिट स्कोर कम तो पर्सनल लोन मिलना मुश्किल

- ऋण आवेदन में जोड़े सह-आवेदक तो तुरंत पास होगा लोन

नई दिल्ली।

अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो आसानी से कोई भी बैंक आपको पर्सनल लोन दे देता है। वहीं, क्रेडिट स्कोर कम है तो आपको पर्सनल लोन मिलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपको लगाता है कि बैंक कम क्रेडिट स्कोर के आधार पर आपके पर्सनल लोन का आवेदन अस्वीकार कर सकता है, तो ऋण आवेदन में एक सह-आवेदक जोड़ें, जिससे क्रेडिट स्कोर की संभावना बढ़ जाएगी। लेकिन इसके लिए आपको यह ध्यान रखना होगा कि जिस सह-आवेदक को अपना जोड़ा है वह परिवार का कमाऊ सदस्य होना चाहिए यानी उसकी आमदनी अच्छी होनी चाहिए। सह-आवेदक किसी प्रतिष्ठित कंपनी या सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन का कर्मचारी होगा तो लोन मिलने होने की संभावना बढ़ जाती है और बैंक या ऋणदाता आपके आवेदन को नामंजूर करने के लिए आपके सिविल स्कोर को कारण नहीं बना सकता है। बैंकों और एनबीएफसी को मालूम रहता है कि बड़ी प्रतिष्ठित कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में रोजगार में दूसरों की तुलना में अधिक आय निश्चितता होती है।पर्सनल लोन लेते समय, अधिकांश ऋणदाता कम ऋण-से-आय अनुपात की तलाश करते हैं, अधिमानतः 40फीसदी से कम क्योंकि यह लोन आवेदक के आय स्तर के लिए संतुलित लोन होता है। आपको लगता है कि बैंकों से आपको पर्सनल लोन नहीं मिल पाएगा। तो एनबीएफसी या फिनटेक कंपनी में भी लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इनकी शर्तें कुछ हद तक बैंकों और एनबीएफसी कंपनी के मुकाबले लचीली होती हैं।

बिना चुनाव लड़े सूरत सीट हारी कांग्रेस अब हुई सक्रिय

विदेशी मुद्रा भंडार पहुंचा 642.631 अरब डॉलर

-चुनाव आयोग से की शिकायत, दोबारा चुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

गुजरात मे सूरत से कांग्रेस के उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नामांकन रद्द होने से बीजेपी उम्मीरवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत विवादों में आ गई है। इस सीट पर बचे 8 उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद अब इस मामले में कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की है।

कांग्रेस का आरोप है कि अनुचित प्रभाव के चलते बीजेपी उम्मीदवार को विजय घोषित कर दिया गया है। कांग्रेस ने आयोग से मांग है कि इस सीट पर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। कांग्रेस का दावा है कि बीजेपी कारोबारी समुदाय से डर गई जिस वजह से उसने सूरत लोकसभा सीट पर मैच फिक्सिंग का प्रयास किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के अन्याय काल में लघु, छोटे और मझोलो उद्यमियों और कारोबारी समुदाय परेशान है। इनके गुस्से ने बीजेपी को इतना डरा था कि बीजेपी ने सूरत लोकसभा सीट पर मैच फिक्सिंग की। हमारे चुनाव और लोकतंत्र, बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खतरे में है। ये हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर मांग की कि सूरत में चुनाव प्रक्रिया दोबारा कराई जाए। सिंघवी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि सूरत सीट पर चुनाव को स्थगित कर जल्द से जल्द दोबारा चुनाव कराए जाएं ताकि देश में एक संदेश जा सके कि कोई भी इस तरह से गलत प्रभाव डालकर चुनाव में लाभ नहीं उठा सका। सिंघवी ने कहा कि ये कोई ऐसा मामला नहीं है, जहां मामले पर चुनाव याचिका के जरिए फैसला होगा। उन्होंने कहा कि सूरत में चार प्रस्तावकों ने कांग्रेस उम्मीदवार को नॉमिनेट किया था, लेकिन चारों ने अपने हस्ताक्षरों को झुठला दिया। चारों ने इकट्ठे! ये कोई संयोग नहीं है। सिंघवी ने कहा कि हमारा उम्मीदवार कई घंटों तक गुमशुदा था और जब तक वह सामने आए तो पता चला कि बचे हुए सभी उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। हमारे उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया गया।

- पर्यटक समय बिताने के साथ ही फोटोग्राफी का ले रहे आनंद

जम्मू-कश्मीर में बिछी पीली कालीन, पर्यटकों को कर रही आकर्षित

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर जहां कभी आतंकियों की गोलियां बरसती थी अब वहां हरियाली बरस रही है। यहां हर साल कश्मीर घाटी की मनमोहक सुंदरता लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहां हर मौसम में दुनिया के अलग-अलग देशों से पर्यटक आते हैं और वसंत उनमें से एक है। वसंत ऋतु के दौरान बाग-बगीचों और खेतों में खिले फूलों से यहां का नजारा मनमोहक नजर आता है और यह पर्यटकों को अपनी और आकर्षित कर करते हैं। सरसों के खेतों का खिलना कश्मीर में कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और पर्यटक इन पीले खेतों में फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं।

इन दिनों जम्मू-कश्मीर में पीली सरसों के खेत बहुत सुंदर दिखाई दे रहे हैं, जो पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करते हैं। हर दिन देश व विदेश के पर्यटक यहां आ रहे हैं और वे आकर्षक सरसों के खेतों में समय बिताने और फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं। बता दें कुछ दिन पहले कश्मीर आने वाले लाखों पर्यटकों का लक्ष्य एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन की सुंदरता को देखना था, जिसे 23 मार्च को जनता के लिए खोला गया था, लेकिन इसके अलावा, इस साल कृषि विभाग के प्रयासों और अच्छी जलवायु से सरसों के खेत जैसे पीला कालीन बिछा हो की तरह नजर आ रहे हैं और इन खेतों की खुशबू हर दिन हजारों पर्यटकों को अपनी और खींच रही है।

पर्यटक गुलमर्ग पहलगाम और घाटी के मुगल गार्डनों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के आनंद की मदद से उन्हें नए और अनोखे अनुभव मिल रहे हैं। लोगों को कश्मीर आने और घाटी की मनमोहक सुंदरता का आनंद लेने और सरसों के खेतों का दौरा करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इन दिनों वसंत ऋतु है और यह पर्यटकों के लिए कश्मीर की यात्रा करने और सरसों के खेतों समेत फूलों की किस्मों को देखने का सबसे अच्छा समय है जो घाटी की सुंदरता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाला दुनिया का चौथा देश है भारत

नई दिल्ली(ईएमएस)।समूची दुनिया में सैन्य खर्च लगातार बढ़ रहा है। सेना और हथियारों पर होने वाला यह खर्च साल 2023 रिकॉर्ड 2,443 बिलियन डॉलर पहुंच गया। भारत भी इस रेस में पीछे नहीं है और अमेरिका, चीन व रूस के बाद लिस्ट में चौथे नंबर पर है। नई दिल्ली की ओर से सेना के आधुनिकरण की कोशिशें जारी हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) ने रिपोर्ट में कहा है कि 2023 में 83.6 अरब डॉलर के खर्च के साथ भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। भारत का यह खर्च पिछले वर्ष की तुलना में 4.2 प्रतिशत अधिक था। सिपरी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा सैन्य खर्चकर्ता चीन है। बीजिंग ने साल 2023 में अपनी सेना पर 296 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीन के कई पड़ोसी देशों ने अपने खर्च में बढ़ोतरी को चीन के बढ़ते सैन्य खर्च से जोड़ा है। साल 2022 में चीन का सैन्य खर्च 292 अरब डॉलर तक था। सैन्य खर्च से जुड़ी यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिरोध चल रहा है। हालांकि, सीमा पर बने इस तनाव को कम करने के लिए बातचीत भी जारी है। बॉर्डर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए दोनों के बीच 21 दौर की सैन्य वार्ता हो चुकी है। मई, 2020 में लद्दाख गतिरोध के बाद से भारत ने अपनी सैन्य क्षमताओं पर फोकस बढ़ा दिया है। चीन से लगी सीमा पर सैन्य बुनियादी ढांचे को और ज्यादा मजबूत करने पर काम जारी है। भारत लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर, युद्धपोत, टैंक, तोपखाने बंदूकें, रॉकेट और मिसाइलों के साथ अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। सैन्य क्षमताओं और दूसरी युद्ध प्रणालियों को मजबूती दी जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भी भारत सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाला चौथा देश था। उस समय भारत का सैन्य खर्च 81.4 बिलियन डॉलर था, जो 2021 की तुलना में 6 प्रतिशत अधिक था और 2013 से 47 प्रतिशत बढ़कर था।

नीदरलैंड के उप-प्रधानमंत्री ने डब्ल्यूईसी-2024 में भारत मंडप का दौरा किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत 22 अप्रैल, 2024 से 25 अप्रैल, 2024 तक नीदरलैंड के रॉटरडैम में आयोजित होने वाली 26वीं विश्व ऊर्जा कांग्रेस में अपनी अभिनव प्रौद्योगिकियों और विद्युत उत्पादन संबंधी कार्यप्रणालियों का प्रदर्शन कर रहा है। इस कांग्रेस में भारतीय मंडप का उद्देश्य वैश्विक मंच पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के साथ अभिनव प्रौद्योगिकियों और विद्युत उत्पादन संबंधी कार्यप्रणालियों को प्रदर्शित करने का केंद्र बनना है। भारत मंडप में विद्युत मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसयू) हिस्सा ले रहे हैं। ये सीपीएसयू वैश्विक ऊर्जा रूपांतरण में भारत के नेतृत्व को सामूहिक रूप से प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके अलावा विद्युत मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्रीकांत नागुलापल्ली सहित प्रतिभागी संगठनों जैसे कि- एनटीपीसी, पावरग्रिड, पीएफसी, आरईसी, एनएचपीसी, एसईसीआई, ओएनजीसी और विश्व ऊर्जा परिषद- भारत के सीएमडी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित थे।

CHANGE OF NAME

OLD NAME - SHAIKH NILOFAR JAMAL
NEW NAME - NILOFAR MD JAMAL SHAIKH
ADD :- 3/195 KHARAWAD MASJID STREET, NANI DAMAN, PIN CODE - 396210

CHANGE OF NAME

OLD NAME - KHOT MOHAMAD FAIZAIN AKBARALI
NEW NAME - MOHAMADFAIZAN ACBARALI
ADD :- 3/195 KHARAWAD MASJID STREET, NANI DAMAN, PIN CODE - 396210

मतदान में गिरावट लोकतंत्र के लिए अशुभ

योगेश कुमार सोनी

देश की तस्वीर बदलने के लिए उपस्थिति दर्ज कराना उतना ही अनिवार्य है जितना सब्जी में नमक डालना। इसके अलावा घर के बड़े-बुजुर्ग भी युवाओं व बाकी सदस्यों को वोट डालने के लिए प्रेरित करें जिससे उनकी वोट के प्रति रुचि बनी रहे। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी राजनीति में कोई रुचि नहीं तो वह इसलिए वोट नहीं डालते लेकिन उनको समझना होगा कि वोट डालने से वह राजनीतिज्ञ नहीं बन जाते। एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज व कर्तव्य होता है वोट डालना जिसका उसे जरूर प्रयोग करना चाहिए।

चुनाव के महासंग्राम लोकसभा 2024 का आगाज हो चुका है। पहले चरण की वोटिंग भी हो चुकी है जिसमें पहले की अपेक्षा कम वोटिंग हुई है। पहले चरण के तहत 19 अप्रैल को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग हुई। सभी सीटों पर 62.37 फीसदी मतदान हुआ। सबसे ज्यादा वोटिंग त्रिपुरा में 80.17 फीसदी हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 77.57 प्रतिशत, मेघालय में 74.21 प्रतिशत, पुडुचेरी में 73.50 प्रतिशत और असम में 72.10 प्रतिशत मतदान हुआ। अगर 2019 में हुए मतदान के पहले चरण से तुलना की जाए तो इस बार पहले फेज में कम वोटिंग हुई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की चर्चा करें तो आठ सीटों पर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 60.59 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा 66.65 प्रतिशत मतदान सहारनपुर में हुआ जबकि रामपुर 55.75 प्रतिशत मतदान के साथ सबसे कम वोटिंग हुई। वर्ष 2019 के मुकाबले पहले चरण की इन सीटों पर करीब 5.9 फीसदी कम वोट पड़े हैं। अपेक्षाकृत कम मतदान की वजह से नतीजों को लेकर सियासी दलों की धुकधुकी भी बढ़ गई है। हालांकि इसके अलावा भी हर जगह के आंकड़े बताने के लिए हैं लेकिन सवालों का सवाल यह है कि आखिर जिस ऊर्जा से साथ पक्ष-विपक्ष चुनाव प्रचार कर रहा है उस स्तर पर लोग वोट डालने में रुचि क्यों नही ले रहे। इसके पीछे हर किसी की अलग-अलग मंशा या वजह हो सकती है लेकिन जनता का लोकतंत्र के इतने बडे महापर्व में अपनी भागीदारी न निभाना लोकतंत्र के गलत संदेश देने जैसे है। बीते कई वर्षों से हम समझ व देख रहे हैं कि हमारे एक वोट की कीमत है लेकिन न जाने हम इसको किस आधार पर हल्के में ले लेते हैं। स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि जितना लोग सोशल मीडिया पर अपनी जागरुकता दिखाते हैं उतनी हकीकत में नहीं। तमाम लोग अपना समर्थन अपनी-अपनी पसंदीदा पार्टी व नेता को खुलेआम देते हैं लेकिन उसका फायदा नेता या आपको तभी तो मिलेगा जब उसके लिए वोट डालकर अपनी शक्तियों का प्रयोग करेंगे। एक आंकड़े के अनुसार देश में 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवाओं में से महज 38 प्रतिशत ने 2024 के चुनाव के लिए खुद को मतदाता के रूप में रजिस्टर्ड कराया है।

राजनीतिक विशेषज्ञ इस घटनाक्रम से चिंतित हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या युवाओं की लोकतंत्र में रुचि खत्म हो गई है? या वह वोट डालना व्यर्थ मानने लगे। वोट वाले दिन की छुट्टी को वह एंजॉय करना चाहते हैं और उनको लगता है कि वोट डालना तो बुजुर्गों व खाली लोगों का काम हैं। लेकिन युवा बहुत बड़ी गलतफहमी में हैं चूंकि वह यह नहीं समझ पा रहे कि एक तथ्यहीन भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। आज वह अपने वोट की कीमत नहीं समझ रहे तो आने वाले समय में आने वाली पीढ़ी के लिए भी इसकी गंभीरता खत्म कर देंगे। हम इस बात को जानते हैं कि भारत युवाओं का देश हैं और सबसे ज्यादा युवा भी हमारे यहां ही हैं। पूरी जिंदगी पड़ी होती है मौज-मस्ती के लिए लिए मात्र एक घंटा निकाल कर वोट डालना उनको बहुत भारी लगता है। युवा चर्चा तो ऐसे करते हैं मानो वह अपनी पूर्ण रूप से स्थिति दर्ज कराएंगे लेकिन चुनाव वाले दिन बिल्कुल गायब हो जाते हैं।

अब से दशकभर पूर्व भी जो युवा पहली बार वोट डालते थे वह वोटिंग वाले दिन को बहुत उत्साहित तरीके से जीते थे और उनको लगता था यह दिन उनके लिए बेहद विशेष हैं। लेकिन अब धीरे-धीरे रफ्तार कम होने लगी जो लोकतंत्र के लिए घातक है। दरअसल अब दौर बिना किसी की गुणवत्ता की जांच के आधार पर चल पड़ा और भेड़चाल का ट्रेंड ज्यादा है। यदि किसी ने कॉलेज या ऑफिस में कह दिया वह तो चुनाव वाले दिन बाहर जा रहा है तो अधिकतर लोग उसको ही फॉलो करने लगते हैं और अपने वोट को व्यर्थ करने में बिल्कुल भी नही हिचकिचाते। जितनी ऊर्जा कॉलेज या अन्य किसी भी तरह के चुनाव में देखने को मिलती है उतनी उपस्थिति वह चुनाव में दर्ज नहीं करवा पा रहे। देखा जा रहा है कि चुनाव पहले से ज्यादा रोमांचक होते जा रहा है जिसका सबसे बडा कारण सोशल मीडिया माना जाता है। चूंकि हर छोटी व बड़ी घटना तुरंत आपके मोबाइल पर आ जाती है कि जिससे किसी भी पार्टी व नेता का घटना अनुसार सकारात्मक व नकारात्मक तस्वीर बन जाती है। इसके अलावा इतिहास व वर्तमान को समझने के लिए तुरंत गूगल भी किया जा सकता है लेकिन इन बातों के लिए राजनीति में रुचि लेना बहुत जरूरी है। यदि आप देश के भविष्य के लिए जागरूक हैं तभी आप समझ पाएंगे अन्यथा सब व्यर्थ है। बहरहाल जैसा कि सात चरणों में होने वाले इस लोकसभा चुनाव में अभी 6 चरण बचे हैं, मेरी युवाओं व अन्य से अपील है कि वे अपने मत का गंभीरता समझें और वोट जरूर देने जाएं। देश की तस्वीर बदलने के लिए उपस्थिति दर्ज कराना उतना ही अनिवार्य है जितना सब्जी में नमक डालना। इसके अलावा घर के बड़े-बुजुर्ग भी युवाओं व बाकी सदस्यों को वोट डालने के लिए प्रेरित करें जिससे उनकी वोट के प्रति रुचि बनी रहे। कुछ लोग कहते हैं कि उनकी राजनीति में कोई रुचि नहीं तो वह इसलिए वोट नहीं डालते लेकिन उनको समझना होगा कि वोट डालने से वह राजनीतिज्ञ नहीं बन जाते। एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज व कर्तव्य होता है वोट डालना जिसका उसे जरूर प्रयोग करना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

'भवानी' गलत तो 'श्री राम'?

उद्धव ठाकरे की चुनाव आयोग से फिर ठन गई है। उनके नेतृत्व वाले गुट को आवंटित चिह्न 'मशाल' की थीम सांग में 'भवानी' का उल्लेख हुआ है। आयोग इसे हिन्दू धर्म की देवी का पर्याय मानते हुए बदलने को कहा है। चुनाव में धार्मिक संज्ञाओं, प्रतीकों, नारों आदि के उल्लेखों की सिद्धांततः मनाही है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। अतः पार्टियों से अपेक्षा है कि वे किसी एक धर्म और उनके प्रतीकों के आधार पर प्रचार न करें। वोट न मांगें। इससे उस सर्वसाधारणता की भावनाओं की अवज्ञा हो जाती है, जिसका आदर संविधान का मूल अभिप्राय है। उद्धव ठाकरे कहते हैं कि 'भवानी' नाम महाराष्ट्र, जिसमें इसके सभी धर्मो-विासों के नागरिक रहते आए हैं, वह छत्रपति शिवाजी के बलिदानों की पावन कर्मभूमि है, जिन्होंने 'भवानी' का नाम लिया है। शिवाजी माने महाराष्ट्र। इन्हीं शिवाजी के नाम पर उनके पिता बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना, जो पिछले साल बंट गई थी, की बुनियाद रखी थी। वे इस शब्द को नहीं बदलेंगे। उद्धव का यह रवैया आयोग से रार मोल लेने जैसा लगता है। इसलिए भी कि आयोग और न्यायालय ने बाला साहेब के मताधिकार को छह साल तक के लिए निलंबित कर दिया था। तब उन्होंने चुनावी भाषण में हिन्दू वर्चस्व के आधार पर भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की वकालत की थी। पर उद्धव का मामला इससे भिन्न है। उन्हें आयोग से शिकायत है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर्नाटक विधानसभा चुनाव एवं गृहमंत्री अमित शाह के मध्य प्रदेश चुनाव में क्रमशः बजरंगबली के नाम पर बटन दबाने एवं चुनाव बाद राम मंदिर के मुफ्त दर्शन के उल्लेखों पर आंखें मूंद लेता है। इस बाबत लिखे गए उनके शिकायती पत्र का जवाब तक नहीं देता है। क्यों? इसका जवाब दिए बगैर उद्धव के विरुद्ध कोई कार्रवाई क्या मुनासिब होगी? आयोग समथरे को दोषी नहीं मानता है तो वह समदर्शी कैसे हो सकता है? फिर चुनाव दर चुनाव में लग रहे ह्यजय.राम' के नारे को क्या कहा जाएगा? दरअसल, 'मशाल' गीत के बोल और उसका संदेश शिकायत की एक बड़ी वजह है। इसमें 'तानाशाही' को खत्म करने की बात कही जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि यह मूल शिवसेना की थीम सांग की तरह लोगों को उद्धव गुट की तरफ खींचेगा। जिन वगरे को यह गीत संबोधित है, उसके आधार की एकमात्र प्रवक्ता आज कोई और पार्टी हो गई है। नोटिस का यह भी एक कारण है-उद्धव को लगता है। इनके बावजूद उन्हें नोटिस का तर्कपूर्ण उत्तर देना चाहिए। आयोग को भी इस पर विचार करना चाहिए।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते।

इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते।

इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो!

इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

दलबदलू: हमको उनसे वफा की है उम्मीद ?

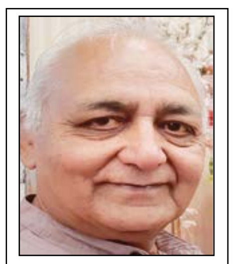

तनवीर जाफ़री

वर्तमान दौर में हमारे देश में राजनीतिज्ञों की छवि ऐसी बन चुकी है कि यदि आप किसी भी अभिभावक से पूछें कि क्या वह अपनी संतान को नेता बनाना पसंद करेगा ? तो शायद ही इसके जवाब में कोई हाँ कहता दिखाई दे। दरअसल आम तौर से राजनीति में तीन श्रेणियों के लोग ही सक्रिय दिखाई देते हैं। पहली श्रेणी उन लोगों की जिन्हें राजनीति पारिवारिक विरासत में मिली है। सरल भाषा में जिन्हें परिवारवादी राजनीतिज्ञ कहा जाता है। दूसरी श्रेणी के वह लोग जो छात्र राजनीति या गांव पंचायत की सियासत से निकलकर आये हैं। और अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि तीसरी श्रेणी में वह लोग आते हैं जो अपने जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफल नहीं हो पाते और पूर्णतयः अयोग्य होते हैं। इसी श्रेणी प्रायः सम्प्रदायवादी, जातिवादी, क्षेत्रवादी राजनीति कर सफलता का शार्ट कट अपनाते हैं। बाहुबली व दबंग छवि के लोग भी प्रायः इसी श्रेणी में गिने जा।अपवाद स्वरूप कुछ ही लोग राजनीति में ऐसे होते हैं जो उच्च शिक्षा ग्रहण कर और अंतरात्मा से देश की सेवा करने की गरज से राजनीति में पदार्पण करते हैं। चूँकि ऐसे लोगों की संख्या कम होती है इसलिये कुल मिलकर नाकारे राजनीतिज्ञों का वर्ग इनपर भी हावी हो जाता है। और इसी दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों का ही परिणाम है कि हमारा देश की राजनीति में इस समय चरित्रवान व विचारवान लोगों की कमी है जबकि अपराधी, स्वार्थी, चरित्रहीन, साम्प्रदायिकतावादी , जातिवादी, मक्कार, झूठे, बेईमान, दलबदलू, अवसरवादी तथा पूर्वाग्रही लोगों की भरमार है। आपने देखा होगा कि कभी पत्रकार ने किसी एम एल ए से ही टछअ का फुल फार्म पूछा और वह नहीं बता पाया। दूसरों को वन्देमातरम जबरन पढ़ाने के लिये मर मिटने के लिये तैयार कई लोगों से कैमरे के सामने लाईव डिबेट में जब वन्देमातरम सुनाने के लिये कहा गया तो वह स्वयं नहीं सुना पाया। अधिकांश नेताओं में जहालत के ऐसे अनेक प्रमाण सुनने को मिल जायेंगे।

जब ऐसे लोगों के राजनीति करने का मकसद ही धनार्जन, स्वार्थ, और अपने राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखना हो तो जाहिर है वहां विचारधारा या वैचारिक प्रतिबद्धता नाम की चीज कोई महत्व रखती। ऐसे जमीर फरोशों और मौका परस्तों को भले ही जनता पहचानने में चूक कर देती हो और उनके वैचारिक धर्म परिवर्तन या दलबदल के बाद यहां तक कि कल के नंगे भूखे नेताओं के धनाढ्य बन जाने के बाद भी बार बार जनता उन्हें निर्वाचित भी करती रहती हो। परन्तु उनके इस चरित्र से उस दल के नेता भी भली भाँती वाकिफ होते हैं जहाँ वे अपने स्वार्थवश व अपना राजनैतिक भविष्य संवारने के नाम पर पनाह लेते हैं। ऐसे दलों के नेता चतुराई वश अपना कुंबा बढ़ाने की गरज से उन्हें पनाह देकर उनके जनाधार का लाभ तो उठा लेटे हैं परन्तु दल बदल या विचार परिवर्तन की इस स्वार्थपूर्ण प्रक्रिया में वह नेता यह भूल जाता है कि उसपर दलबदलू होने का ठप्पा भी लग चुका है। राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तर पर ऐसे तमाम स्वार्थी व मौकापरस्त नेता मिल जायेंगे जिन्हें आज वही पार्टियां दूध की मक्खी की तरह निकाल कर फेक चुकी हैं जिनका या तो मकसद पूरा हो चुका है या अब उनकी वहाँ कोई जरुरत नहीं। वर्तमान चुनाव में भी ऐसे अनेक नेता दर दर भटकते दिखाई दे रहे हैं जिन्हें उनकी पार्टी ने इस बार प्रत्याशी नहीं बनाया। जबकि कल उन्होंने यही सोच कर दल बदल किया था कि नये दल में उनका राजनैतिक भविष्य सुरक्षित रहेगा। यहां मैं बिना नाम लिये एक उदाहरण देना चाहूंगा। एक व्यक्ति को कांग्रेस ने पहले जज फिर एक राज्य का मुख्यमंत्री बनाया। जबकि उसमें मुख्यमंत्री बनने का कोई गुण नहीं था सिवाए इसके कि उसके पिता बड़े राजनेता थे। बाद में वह सज्जन भाजपा में चले गये। आज चूँकि भाजपा वहां संघ पृष्ठभभूमि के नेताओं को पूरी तरह आगे ला चुकी है इसलिये उस राज्य में उसे आयातित नेताओं या दलबदलुओं अथवा विचार परिवर्तन करने वालों की फिलहाल कोई खास जरुरत नहीं इसलिये भाजपा ने उन पूर्व मुख्यमंत्री महोदय को पन्ना प्रमुख बना कर उनकी राजनैतिक हैसियत का अंदाजा करा दिया है।

दलबदलुओं खासकर विपरीत विचारधाराओं में दलबदल करने वाले नेताओं के साथ एक और खेल खेला जाता है। उन्हें सार्वजनिक रूप से उस विचारधारा के विरुद्ध मुखरित होकर बोलने को कहा जाता है जिसे वे छोड़ कर आये हैं। और मजबूरी वश चूँकि उसे अपने राजनैतिक भविष्य की चिंता होती है इसलिये वह पार्टी के मूल नेताओं से भी ज्यादा मुखरित होकर बोलता है। यहाँ कुछ उदाहरण पेश हैं। जैसे हिमंत विस्वा सरमा। यह पहले कांग्रेस के विश्वस्त नेताओं में थे। परन्तु जब से भाजपा में गए हैं तब से इनकी कारगुजारियां, इनके वक्तव्य सब कुछ भाजपाई या संघ संस्कारित नेताओं से कहीं बढ़कर हैं। ऐसा इसलिये है कि इन्हें अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाये रखने के लिये स्वयं को यह प्रमाणित करना है कि वे संघ व भाजपा की सभी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। इसी तरह शहजाद पूनेवाला जैसे दलबदलुओं को भाजपा, प्रवक्ता बनाकर कांग्रेस पर उसी के शस्त्र से प्रहार करवाती है। पिछले दिनों कांग्रेस के ही एकऔर प्रवक्ता गौरव बल्लभ भाजपा में शामिल हुये। कल तक उन्हें देश में कांग्रेस से बड़ी कोई भी धर्मनिरपेक्ष पार्टी नजर नहीं आती थी। परन्तु पार्टी छोड़ते ही उन्होंने भाजपा की भाषा बोलते हुये कांग्रेस को सनातन विरोधी बताना शुरू कर दिया। दरअसल इसमें जमीरफरोश नेताओं की गलती कम जबकि इन्हें समर्थन देने वाली आम जनता की गलती ज्यादा है। विचार परिवर्तन यानी वैचारिक यू टर्न लेने के बावजूद तथा यह समझने के बावजूद कि अमुक नेता ने केवल पार्टी प्रत्याशी न बनाये जाने के लिये दलबदल किया है यानी वह नेता स्वार्थी है फिर भी जनता उसके पीछे लगी रहती है ? लोगों को पता है कि अमुक नेता भ्रष्टाचारी है और केवल अपने आप को सुरक्षित रखने के लिये सत्ता की शरण में जा रहा है, फिर भी ऐसे नेता के समर्थक उसकी जयजयकार करते रहते हैं ? जनता ने खुद सोचना पड़ेगा कि जो नेता उस पार्टी के वफादार न हुये जिसमें रहकर उन्हें मान, नाम, इज्जत, शोहरत, पद रुतबा पहचान आदि वह सब कुछ मिला जिसकी वजह से ही कोई दूसरा दल आज उनकी कीमत लगा रहा है, वह स्वार्थी नेता भला जनता, अपने मतदाताओं व अपने वादों के प्रति कैसे वफादार हो सकता है ? बकौल मिर्जा गालिब - हमको उनसे वफा की है उम्मीद? जो नहीं जानते वफा क्या है।

माइक्रो प्लास्टिक : दिमाग पर घातक हमला

सुशील देव

कई वजहों हमारा पर्यावरण और वातावरण दूषित हो रहा है, जिसके हम किस्तों में शिकार बन रहे हैं। मिलावटी खाद्य पदाथरे के कारण हम पहले से ही कई बीमारियों की जद में हैं, लगातार प्रदूषण के कारण हमारी सांसें उखड़ रही हैं तो आए दिन जलवायु परिवर्तन की वजहों से हमें अकल्पनीय विपत्तियों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। उस पर घातक व मारक माइक्रो प्लास्टिक ने हमें चिंता में डाल दिया है। प्लास्टिक के कण जाने-अनजाने में हमारी आंखों से होते हुए शरीर के महत्त्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं, जो हमारे दिमाग पर भी असर डालने लगा है। दिमाग तक असर डालने का मतलब मानव जाति के लिए प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खतरनाक संदेश दे रहे हैं। इसलिए हमें इस खतरे को देखते हुए पहले ही चेत जाना चाहिए।

द यूनिर्वसटि ऑफ न्यू मैक्सिको एंड हेल्थ साइंसेज से जुड़े वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में यह दावा किया है कि माइक्रो प्लास्टिक ने हमें गहरे तौर पर अपने शिकंजे में ले लिया है, इससे छुटकारा पाने के लिए गंभीर कदम उठाने होंगे, वरना स्थिति बहुत भयावह होने वाली है। अध्ययन के मुताबिक प्लास्टिक प्रदूषण के महीन कण भोजन, पानी और हवा में घुल चुके हैं जो न केवल हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं बल्कि हमारे आंतों से होते हुए शरीर के अन्य अहम अंगों जैसे गुर्दा, लीवर और मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। दूसरा अध्ययन यह भी बताता है कि माइक्रो प्लास्टिक समुद्री जानवर और पौधों में भी पाए गए हैं। इतना ही नहीं, हम जिस बोतल बंद पानी को शान से शुद्धता की दुहाई देकर पीते हैं उनमें भी माइक्रो प्लास्टिक के अंश मिल रहे हैं।

यह बेहद महीन कण होते हैं जिसे हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते, जो अत्यंत जहरीले और केमिकल की शक्ल में होते हैं। आज प्लास्टिक किसी न किसी रूप में घर-घर में घुस चुका है जिससे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता है। प्लास्टिक कप, थमोकौल, सजावट के समान, प्लास्टिक स्ट्रॉ, पैकेजिंग फिल्म, पीवीसी बैनर, गुब्बारे लगाने वाली प्लास्टिक की डांडिया, प्लास्टिक बैग, झंडा, टॉफी कैंडी के स्टिक, प्लास्टिक के बर्तन, शादी कार्ड, मिठाई के डब्बे, दवा की की बोतलें, बाल्टी आदि से लेकर सैकड़ों घरेलू वस्तुएं जो हमारे दैनिक जीवन व्यवहार में हैं, उनसे छुटकारा पाना बेहद कठिन प्रतीत होता है। हालांकि सरकार और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की पहल से सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प समय-समय पर सुझाए गए हैं। कई योजनाओं पर काम भी चल रहे हैं। मगर इसके खतरनाक परिणाम को लोग अभी भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मोटा-मोटी जूट बैग, प्लैटिनम, सिलिकॉन, स्टेनलेस स्टील, कांच, मिट्टी के बर्तन या चीनी मिट्टी के उत्पादों का इस्तेमाल करके हम इस खतरे से थोड़ा बच सकते हैं। प्लास्टिक पर्यावरण वन्य जीवन और आमजन के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

यह प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है और इससे निकलने वाले जहरीले रसायन भूजल को प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे घातक जानलेवा बीमारियां हो रही हैं। वैज्ञानिकों ने माइक्रो प्लास्टिक की मात्रा की पहचान करने के लिए चूहों पर अध्ययन किया जिसमें पाया कि चूहे तो सिर्फ चार सप्ताह के लिए माइक्रो प्लास्टिक के संपर्क में आए थे तब उनमें कई तरह की खतरनाक बदलाव देखे गए। शोधकताओं ने इंसानी शरीर में जमा होते माइक्रो प्लास्टिक को लेकर गहरी चिंता जताई है क्योंकि धीरे-धीरे हमारे शरीर के अंगों से होते हुए अब यह इंसानी मस्तिष्क को प्रभावित करने लगा है।

सरकार इस समस्या के निदान के लिए कार्य तो कर रही है, लेकिन किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई जो चिंताजनक है। गौरतलब है कि पूरे देश में एक जुलाई 2022 को सिंगल यूज प्लास्टिक के 20 आइटमों को प्रतिबंधित किया गया था। दिल्ली में इन आइटमों पर प्रतिबंध के बावजूद रोक अब तक प्रभावी नहीं दिखी है। अब दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी यानी डीपीसीसी ने इसके लिए एसओपी तैयार कर ली है। दिल्ली में लंबे वक्त से सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगी हुई है। बार-बार अभियान चलाए जाने के बावजूद ये रोक असरदार साबित नहीं हुई है। बड़ी बात यह है कि इनका उत्पादन और बिक्री बंद नहीं हुई है। दिन-ब-दिन प्लास्टिक हमारे ईको-सिस्टम को बर्बाद कर रहा है। इसका संयुक्त भार प्रतिवर्ष करीब 300 मिलियन टन है जो जलमागरे और समुद्रों को अवरुद्ध कर रहा है, सड़कों को जाम कर रहा है, वन्यजीवों को नुकसान पहुंचा रहा है और हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है।

भविष्य की भयावह स्थिति से निपटने के लिए राज्य और केंद्र सरकार को और चुस्त होने की आवश्यकता है। उन्हें जागरूकता के लिए कई स्तरों पर काम करना चाहिए। यदि स्कूली पाठ्यक्रम में बच्चों को शुरू से ही प्लास्टिक के दुगुर्णों के बारे में बताया जाए तो कुछ हद तक प्लास्टिक पर नियंत्रण की कोशिश सफल हो सकती है। स्कूलों के करिकुलर एक्टिविटीज में प्लास्टिक के दुष्परिणाम के बारे में बताया जाना चाहिए। हफ्ते या महीने में प्लास्टिक पर परिचर्चा जागरूकता अभियान और कार्यशाला आयोजित किया जाना चाहिए। कुल मिलाकर इस संकट को हल्के में न लेते हुए सरकार को सख्त कदम उठाना चाहिए।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस में मुकाबला

–प्लेऑफ के लिए दावेदारी बनाये रखने जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो टीमों

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के 40 वें मुकाबले में बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। कैपिटल्स ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद लगातार दो मैच जीतकर लय हासिल की थी पर पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे सबक लेते हुए दिल्ली अब इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। पिछले मैच में दिल्ली की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में असफल रही थी। इसलिए इस मैच में उसका लक्ष्य शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना होगा। इस मैच में कप्तान ऋषभ पंत को भी जीत के लिए आक्रामक अंदाज में खेलना होगा। हैदराबाद के खिलाफ मैच में वह उस तेजी से नहीं खेल पाये थे जिसकी जरुरत थी। इसके अलावा उनकी कप्तानी भी ठीक नहीं रही थी। सनराइजर्स के खिलाफ उनके फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह ओस के पहलू को सही तरह से नहीं समझ पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके अलावा पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का उनका फैसला भी गलत रहा जिससे सनराइजर्स के बल्लेबाजों को आक्रामक शुरुआत का अवसर मिल गया। टीम ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर फिसल गयी है। ऐसे में उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने अब हर मैच जीतना होगा।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के दौरान ऋषभ संघर्ष करते दिखे। वह 35 गेंद में 44 रन ही बनाकर आउट हो गये।

टीम के बल्लेबाजों से सनराइजर्स के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की अपेक्षा थी पर उसके सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और डेविड वार्नर इसमें सफल नहीं रहे। युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने तेजी से खेलते हुए 18 गेंद में 65 रन बनाए पर उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। अभिषेक पोरेल ने भी 22 गेंद में 42 रन की पारी खेली पर ये जीत के लिए पर्याप्त नहीं थी। वहीं गेंदबाजी में भी दिल्ली के गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे और सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने आसानी से रन बनाये। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के अलावा दिल्ली के प्रमख गेंदबाज एनरिक नोर्किया भी विफल रहे। टीम के

अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा जकड़ने के पिछले मैच से बाहर रहे थे अगर उनकी वापसी होती है तो टीम को लाभ होगा। स्पिन कुलदीप यादव ही अब तक दिल्ली के सबसे सफल रहे हैं। उन्होंने इस सत्र में 7.60 की इकोनॉमी रेट से पांच मैच में 10 विकेट लिए हैं पर सनराइजर्स पर वह भी अंकुश नहीं लगा पाये।

वहीं दूसरी ओर शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही गुजरात के लिए भी ये सत्र अधिक सफल नहीं रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है। इससे टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी नजर आती है हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली जीत से टीम के हौंसला बढ़ा है जिसका लाभ उसे मिलेगा। टीम अब तक आठ मैच में चार जीत और चार हार से आठ अंक लेकर छठे स्थान पर है। ऐसे में अब उनका लक्ष्य भी इस मैच में जीत दर्ज कर प्ले ऑफ के लिए अपनी दावेदारी बनाये रखना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन, डेविड मिलर, आदि बल्लेबाजों पर रहेगी। वहीं निचले क्रम में टीम को तेजी से आगे बढ़ाना आक्रामक बल्लेबाज राहुल तेवतिया के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। गेंदबाजी की कमान मोहित शर्मा, नूर अहमद के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे। वहीं दिल्ली की बल्लेबाजी ऋषभ के रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी एनरिक नोर्किया, खलील अहमद, कुलदीप यादव के अलावा अक्षर पटेल के पास रहेगी। ये मैच कुल मिलाकर रोमांचक रहेगा।

टीम

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वार्नर, अभिषेक पोरेल, रिकी भुई, यश ढुल, शाई होप, पृथ्वी साव, ट्रिस्टन स्टब्स, कुमार कुशाग्र, स्वस्तिक चिकारा, इशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, रसिक डार, विक्की ओस्तवाल , एनरिक नोर्किया, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव, प्रवीण दुबे, खलील अहमद, सुमित कुमार, अक्षर पटेल, ललित यादव, और जेक फ्रेजर-मैकगर्क।

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, अजमतुल्लाह उमरजई, अभिनव मनोहर, राशिद खान, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक त्यागी, जोशुआ लिटिल, दर्शन नालकंडे, नूर अहमद, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहित शर्मा, जयंत यादव, उमेश यादव, सुशांत मिश्रा, संदीप वारियर, शरत बीआर और मानव सुतार।

नोवाक जोकोविच को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर पुरस्कार

मैड्रिड (एजेंसी)। विश्व के नंबर-एक सार्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पांचवी बार लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवॉड 'से सम्मानित किया गया है। सोमवार को मैड्रिड के गैलेरिया डी क्रिस्टल में आयोजित एक शानदार समारोह में जोकोविच को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इस शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि साथी टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को उनके फाउंडेशन की बदौलत 'स्पोट 'फोर गुड अवार्ड' से नवाजा गया।

पुरस्कार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मैं अपना पांचवां लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवॉड 'जीतकर अविश्वसनीय रूप से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं 2012 को याद करता हूं, जब मैंने 24 साल की उम्र में पहली बार इसे जीता था। मैं 12 साल बाद यहां आकर बहुत गर्व महसूस कर रहा हूं, यह दर्शाता है एक ऐसा साल जो मेरे और मेरे प्रशंसकों के लिए ढेर सारा उत्साह और सफलता लेकर आया। उन्होंने कहा, 'मैं अपने पीछे एक अविश्वसनीय टीम और प्रेरणादायक प्रतिद्वंद्वियों के बिना इतनी सफलता हासिल नहीं कर पाता, जिन्होंने हमेशा मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने के लिए प्रेरित किया है।'

अन्य सम्मानों में स्पेन की फुटबॉल स्टार एताना बोनमती को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्सवुमेन और विश्व कप जीतने वाली उनकी टीम को लॉरियस टीम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि अमेरिकी जिम्नास्टिक स्टार सिमोन बाइल्स को कमबैक ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला।

दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी) । मुम्बई (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण आईपीएल टूर्नामेंट से हट गये हैं। ऑलराउंडर मार्श का बाहर होना दिल्ली टीम के लिए करारा झटका है। कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि मार्श हैमस्ट्रिंग खिंचाव के कारण अब आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे। पोंटिंग के अनुसार इस चोट से उबरने में समय लगाता है। इस कारण वह अब भारत नहीं लौटेंगे। मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। वहां जांच के बाद पता चला है कि मार्श के लिए अब ये सत्र खेलना संभव नहीं है। उसी के बाद इस मामले में कैपिटल्स ने अंतिम फैसला लिया। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब वह वापस आएंगे क्योंकि सीए चाहता है कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हो। इसी कारण से हमने भी उन्हें स्वदेश भेज दिया था। सीए के मेडिकल स्टाफ के सदस्य कुछ सप्ताह से उनके रिहैब पर काम कर रहे हैं। मैंने मार्श से हाल ही में बात की थी और ऐसा लगता है कि उस चोट से उबरने में उन्हें अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है पर मुझे लगता है कि वह टी-20 विश्व कप से पहले ठीक हो जाएंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम बांग्लादेश के खिलाफ 28 अप्रैल से शुरू होने वाली 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को रवाना हो गई। भारत इस साल 28 अप्रैल से 9 मई तक पांच मैचों की टी20 सीरीज में बांग्लादेश से खेलेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बांग्लादेश के लिए प्रस्थान करने वाली टीम की एक तस्वीर साझा की। बीसीसीआई ने ट्वीट किया- यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का समय है। सटीमइंडिया बांग्लादेश के लिए रवाना हो गई है।

सीरीज की शुरुआत रविवार, 28 अप्रैल को सिलहट में पहले ञ्20ढ्ढ से होगी। 30 अप्रैल, 2 मई, 6 मई और 9 मई को अन्य खेल उसी स्थान पर आयोजित होंगे। इस सीरीज से भारत को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की तैयारी में मदद मिलेगी, जो इस साल सितंबर से अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित अंतिम संस्करण के दौरान, भारत सेमीफाइनल में पहुंचा और अंततः चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से 5 रन से हार गया था।

बांग्लादेश के खिलाफ 5 टी20 मैचों के लिए भारत की टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, दयालन हेमलता, सजना सजीवन, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), राधा यादव, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, सायका इशाक, आशा शोभना, रेणुका सिंह ठाकुर, तितास साधु।

भारत टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम- निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उप कप्तान), मुर्शिदा खातून, सोभना मोस्टोरी, शोर्ना अख्तर, रितु मोनी, राबेया खान, सुल्ताना खातून, फाहिमा खातून, मारुफा अख्तर, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, शोरिफा खातून, दिलारा अख्तर, रूबिया हैदर झेलिक, हबीबा इस्लाम पिंकी।

पंड्या से कप्तानी पारी की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया : आकाश चोपड़ा

जयपुर ।आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या अब तक असफल रहे हैं ।राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी वह केवल 10 रन ही बना पाये ।वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि उन्हें इस मैच में पंड्या से कप्तानी पारी की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया ।उन्हें जल्दी बल्लेबाजी के लिए उतरकर मोर्चे से आगुवाई करने की जरुरत थी पर हैरानी की बात ये रही कि मैच में मुम्बई के विकेट गिरते रहे और पंड्या कभी डगआउट में तो कभी सीट पर बैठते, फिर कभी पुशअप्स मारते और कभी टहलते ।फिर जब वह मैदान पर उतरे भी कोई कमाल नहीं कर पाये ।कुल मिलाकर देखा जाये तो इस प्रकार पंड्या एक बार फिर बल्लेबाजी में विफल रहे ।इससे पहले उन्होंने 7 पारियों में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 11, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 24, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 34, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 39, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 21, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 2 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 10 रन बनाये थे। इसके बाद पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने एक बार फिर पंड्या पर निशाना साधा है ।पठान ने कहा कि आईपीएल में पंड्या की कप्तानी, बल्लेबाजी और गेंदबाजी सभी बेकार रही हैं। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हार्दिक पंड्या की हिटिंग क्षमता कम होती जा रही है ।यह एक बड़ी चिंताजनक बात है ।

टी20 विश्वकप के लिए यशस्वी की दावेदारी कमजोर हुई

मुम्बई ।आईपीएल के ठीक बाद जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए कई युवा खिलाड़ी भी दावेदारी में हैं। विश्वकप के लिए एक जून को भारतीय टीम की घोषणा होगी। इसी को देखते हुए चयनकर्ता आईपीएल में भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रख रहे हैं। युवा खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल अब इस आईपीएल सत्र में प्रभवित नहीं कर पाये हैं, ऐसे में उनकी दावेदारी कमजोर हुई और उनकी जगह किसी नये खिलाड़ी को भी जगह मिल सकती है ।यशस्वी ने 7 मैच में 17.28 की औसत से 121 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 39 रन रहा है ।वहीं शुभमन गिल भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। शुभमन ने 7 मैच में 42.57 की औसत से 298 रन बनाए हैं ।उनका सबसे अधिक स्कोर 89 रन रहा है ।ऐसे में उन्हें भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा। वहीं इस सत्र में धमाके दार प्रदर्शन कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने अबतक 7 मैच में 36.71 की औसत और 215.96 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाकर प्रभावित किया है। इस दौरान अभिषेक ने तीन अर्धशतक लगाये हैं ।उन्होंने टूर्नामेंट में 24 छक्के भी लगाये हैं और वह इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं ।।वहीं इस टूर्नामेंट में उनसे ज्यादा 26 छक्के हेनरिक क्लासेन ने लगाये हैं। ऐसे में अगर आगे भी यशस्वी रन नहीं बना पाते हैं तो विश्वक कप के लिए उनकी दावेदारी और कमजोर पड़ जाएगी। ऐसे में अभिषेक को भी अवसर मिल सकता है ।

नरेन टी20 विश्वकप के लिए संन्यास से वापसी नहीं करेंगे

–युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया जाना चाहिये

मुम्बई (एजेंसी) । आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धूम मचा रहे वेस्टइंडीज के स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन ने कहा है कि उनकी आगामी टी20 विश्वकप खेलने के लिए संन्यास से वापसी की कोई योजना नहीं है। नरेन ने ये बात वेस्टइंडीज टी20 टीम के कप्तान रोवमैन पॉवेल के उस बयान को लेकर कही है, जिसमें पॉवेल ने नरेन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनसे टी20 विश्वकप को देखते हुए वापसी का अनुरोध किया था। पॉवेल ने बात इस आईपीएल सत्र में उनके प्रदर्शन को देखते हुए कही थी। इस पर जवाब देते हुए नरेन का कहना है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के अवसर अब उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह उन युवा खिलाड़ियों की इस विश्वकप के लिए दावेदारी का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं।

आम तौर पर देखने में आया है कि आईसीसी टूर्नामेंट आते ही अनुभवी खिलाड़ियों की टीम में वापसी होने लगती है जबकि जो युवा खिलाड़ी लगातार उस फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं उन्हें टीम से बाहर होना पड़ता है। मगर अब सुनील नरेन ने संन्यास से वापसी नहीं करने का फैसला कर युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, मुझे उम्मीद है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से बाहर आने और आगामी टी20 विश्वकप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है।

उन्होंने आगे लिखा, मैंने उस फैसले पर शांति बना ली है और हालांकि मैं कभी निराश नहीं होना चाहता पर वह दरवाजे अब बंद हो गए हैं और मैं उन युवा खिलाड़ियों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे।

नरेन आईपीएल 2024 में केकेआर की ओर से खेल रहे नरेन जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने टी20 करियर का पहला शतक भी लगाया था। उन्होंने इस सत्र में 40.86 के औसत और 176.54 के स्ट्राइक रेट के साथ 286 रन बनाये हैं जबकि ती गेंदबाजी के दौरान 7 मैचों में 7.11 की इकॉनमी के साथ 9 विकेट भी लिए हैं।

विश्व कुश्ती क्वालीफायर के लिये ट्रायल इसी माह के अंत में होंगे

नई दिल्ली ।भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अब अगले माह होने वाले विश्व क्वालीफायर के लिये नये ट्रायल इस माह के अंत या मई के पहले सप्ताह में करायेगा ।डब्ल्यूएफआई ने ये कदम एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में भारतीय पुरूष टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए ही लिया है ।बिश्केक में हुए एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उसे 18 में से चार ही कोटा स्थान मिले। ये कोटा स्थान भी सभी महिला पहलवानों को ही मिले हैं जबकि पुरुष पहलवान विफल रहे ।विश्व क्वालीफायर मुकाबले नौ मई से तुर्की में होंगे और ये एशियाई क्वालीफायर से अधिक मुश्किल हैं। इसी कारण कठिन डब्ल्यूएफआई ने नये ट्रॉयल का फैसला लिया है ।डब्ल्यूएफआई विश्व क्वालीफायर के लिए सभी 14 श्रेणियों में ट्रायल का आयोजन करेगा ।इनमें महिला वर्ग में दो (68 और 62 किलो) , पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन में छह छह वर्ग शामिल है। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह भी भारतीय पहलवानों के खराब प्रदर्शन से निराश हैं ।इसी कारण उन्होंन इस मामले में चयन पैनल से भी बात की है ।यह पहली बार हुआ है कि फ्रीस्टाइल में भी भारत को कोटा नहीं मिल पा रहा है ।

कोहली के पास 40 गेंदों में शतक बनाने की क्षमता, टी20 विश्व कप में ओपनिंग करें : गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को यहां कहा कि दिग्गज विराट कोहली के पास ट्रेविस हेड की तरह 40 गेंदों में 100 रन बनाने की क्षमता हैं और वेस्टइंडीज तथा अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में उन्हें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करना चाहिए। कोहली ने हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए, लेकिन उन्हें अपने स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा था। गांगुली ने कहा, 'विराट कोहली में 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमता है। जैसा कि मैंने शुरुआत में कहा था कि भारत के पास जैसी क्षमता है उसके मुताबिक उन्हें बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगाने की जरूरत है। फिर देखना चाहिये कि पांच -छह ओवर के बाद क्या होगा।' गांगुली चाहते कि चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के

सर्वोत्तम हित में निर्णय लें। वह हालांकि आदर्श रूप से कोहली-रोहित को पारी का आगाज करते देखना चाहते है। भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकर्ताओं को ऐसा करना चाहिए, क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है।' इंग्लैंड के खिलाफ शानदार घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद क्या यशस्वी जयसवाल के मौजूदा फॉर्म को देखते हुए टी20 विश्व कप में चयन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यशस्वी का दावा कमजोर हुआ है। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं।' गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के सिर्फ एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। उन्होंने ने कहा, 'आपको हर प्रदर्शन को देखना होगा। एक अच्छी टीम में अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन होता है । भारत के पास कमाल के अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे समय के साथ बेहतर हुए है।' उन्होंने कहा, 'इस दृष्टिकोण से टीम में युवाओं का मिश्रण होना चाहिए। मुझे यकीन है कि चयनकर्ता इतने परिपक्व हैं कि सिर्फ एक आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन नहीं करेंगे।' उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे ने पिछले साल भी अच्छा प्रदर्शन किया था और इस बार भी बेहतरीन खेल दिखा रहे है।

भारतीय टीम मालिक पर लगा श्रीलंकाई लीग में मैच फिक्सिंग का आरोप

अनधिकृत लीजेंड्स क्रिकेट लीग में एक टीम के मालिक और भारतीय नागरिक योनी पटेल पर उनके हमवतन पी आकाश के साथ मैच फिक्सिंग के लिए आरोप तय किए जा रहे हैं ।कोलंबो मजिस्ट्रेट अदालत के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी ।अधिकारी ने बताया कि पिछले शुक्रवार को अदालत ने पटेल की जमानत की अर्जी खारिज कर दी थी और दोनों पर लगाया गया यात्रा प्रतिबंध एक महीने के लिए बढ़ा दिया गया ।इन भारतीयों पर लीजेंड्स क्रिकेट लीग में मैच फिक्स करने की कोशिश करने का आरोप है जिसका आयोजन आठ से 19 मार्च तक मध्य कैंडी जिले के पाल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में किया गया। फाइनल में राजस्थान किंग्स ने न्यूयॉर्क सुपर स्ट्राइकर्स को हराया। पटेल इस टूर्नामेंट में कैंडी स्वैम्प आर्मी टीम के मालिक हैं ।अधिकारियों ने कहा कि मामले के आगे बढ़ने के साथ पंजाब रॉयल्स के मैनेजर आकाश पर भी आरोप तय किए जाएंगे ।श्रीलंका के पूर्व एकदिवसीय कप्तान और वर्तमान में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के अध्यक्ष उपुल थरंगा तथा न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी नील ब्रूम ने खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई से पटेल और आकाश द्वारा मैचों को फिक्स करने के लिए लीग में क्षमता से कम प्रदर्शन करने के लिए संपर्क करने की शिकायत की थी ।इसके बाद अदालत ने पटेल और आकाश के जांच पूरी होने तक देश छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया ।लीग को ना तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से मान्यता मिली है और ना ही श्रीलंका क्रिकेट से ।श्रीलंका खेल में मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार को अपराध की सूची में डालने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश था जब उसने 2019 में इस खतरे के खिलाफ कानून पारित किया था ।दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को 10 साल तक की जेल हो सकती है और जुर्माना भी भरना पड़ सकता है ।इस कानून के तहत भ्रष्टाचार के लिए संपर्क के बारे में जानकारी देने में विफल रहने पर भी सजा का प्रावधान है ।

संजू सैमसन को भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में तैयार किया जाना चाहिए : हरभजन सिंह

मुम्बई (एजेंसी) । जयपुर = संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मुंबई इंडियंस (एमआई) पर 9 विकेट से जीत दर्ज की। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि राजस्थान के कप्तान को रोहित शर्मा के बाद भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में तैयार किया जाना चाहिए। सैमसन ने 28 गेंदों में 135.71 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 38 रन की पारी खेली।

हरभजन ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी जयसवाल की नाबाद 104 रन की पारी की सराहना की और कहा कि यह युवा इस बात का सबूत है कि 'क्लास स्थायी है'। पूर्व स्पिनर ने कहा कि मेन इन ब्लू टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज को लेकर कोई और बहस नहीं होनी चाहिए और सैमसन को भारत की टी20 विश्व कप 2024 टीम में शामिल किया जाना चाहिए। हरभजन ने कहा, 'यशस्वी जयसवाल की पारी इस बात का प्रमाण है कि क्लास स्थायी है, यशस्वी जायसवाल की फॉर्म अस्थायी है। और कीपर बल्लेबाज के बारे में कोई बहस नहीं होनी चाहिए। संजू सैमसन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में आना चाहिए और रोहित के बाद भारत के लिए अगले टी20 कप्तान के रूप में भी तैयार होना चाहिए।%

मैच की बात करें तो यशस्वी जायसवाल ने फॉर्म में लौटते ही शतक जड़ा और जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में अपनी टीम को आसान जीत दिला दी। जायसवाल जोकि सीजन में अर्धशतक बनाने के लिए तरस रहे थे, ने मुंबई के खिलाफ लय हासिल कर ली और अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक जड़ा। मुंबई ने मुकाबले में पहले खेलते हुए तिलक वर्मा के 65 और नेहल वडेहरा के 49 रनों की बदौलत 179 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान को जायसवाल और बटलर ने मजबूत शुरूआत दी। बटलर जिन्होंने पिछले मुकाबले में शतक जड़ा था, ने इस बार चावला की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 35 रन बनाए। इसके बाद जायसवल ने 104 तो राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने 38 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

दो हेलीकॉप्टर टकराए, क्रू के सभी 10 सदस्यों की मौत

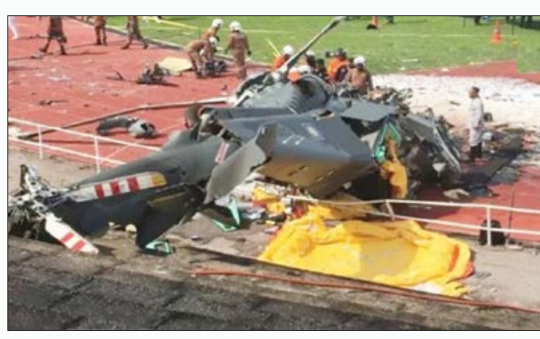

कुआलालंपुर। नेवी के एक समारोह की तैयारी कर रहे मलेशियन दो हेलीकॉप्टर आसमान में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस हादसे में क्रू के सभी 10 सदस्यों को मौत हो गई। बताया गया है कि यह हेलीकॉप्टर रॉयल मलयेशिन नेवी के एक समारोह के लिए तैयारी कर रहे थे। मलयेशियाई नौसेना के मुताबिक, घटना लुमुत नौसैन्य बेस पर सुबह करीब 9.30 बजे हुई। दुर्घटना के बाद सभी मृतकों के शव को लुमुत आर्मी बेस अस्पताल ले जाया गया। यहां उनकी पहचान के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ, जब एक हेलीकॉप्टर का रोटर (पंखा) दूसरे हेलीकॉप्टर से टकरा गया और दोनों ही स्टेडियम के ग्राउंड में गिर गए।

ताइवान में लगे एक के बाद एक 80 झटके, कोई हताहत नहीं, मापी गई 6.3 तीव्रता, मामूली नुकसान की खबर

ताईपे। ताइवान के भूकंप प्रभावित पूर्वी काउंटी हुलिएन में सोमवार को आए भूकंप के झटकों के बाद मंगलवार सुबह कई भूकंप के झटके महसूत किए गए। इन भूकंप के झटकों से मामूली नुकसान होने की खबर है कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। काउंटी हुलिएन में सोमवार शाम 5 बजे से रात 12 बजे के दौरान 80 से ज्यादा बार झटके लगे। इनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 6.3 और 6 दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक, यह भूकंप के झटके रात 12 बजे के आसपास थोड़ी-थोड़ी देर के अंतर से आए। वहीं टीएसएमसी ने कहा कि उसने परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं देखा। बड़े पैमाने पर ग्रामीण और कम आबादी वाले हुलिएन में 3 अप्रैल को 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कम से कम 14 लोग मारे गए थे, और तब से अब तक एक हजार से अधिक झटके महसूस किए जा चुके हैं। ताइवान की राजधानी ताइपे समेत उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी ताइवान के बड़े हिस्सों में इमारतें पूरी रात हिलती नजर आईं। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि सोमवार दोपहर से शुरू भूकंपों का सिलसिला शुरु हुआ जिसकी तीव्रता लगभग 180 आंकी गई। ताइवान के भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ने कहा कि झटके ऊर्जा का केंद्रित विमोचन थे और इससे भी ज्यादा तेज झटकों की उम्मीद की जा सकती है, हालांकि यह उतने मजबूत नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस सप्ताह पूरे ताइवान में भारी बारिश की भविष्यवाणी के साथ, हुलिएन में लोगों को अलर्ट रहने को कहा गया है। हुलिएन के अग्निशमन विभाग ने कहा कि तीन अप्रैल को आए भूकंप से दो इमारतों को ज्यादा नुकसान हुआ है और वे झुक रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) ने कहा कि फ़ैक्टरियों के कुछ कर्मचारियों को निकाला गया था, लेकिन सुविधा और सुरक्षा प्रणालियाँ सामान्य रूप से काम कर रही थीं और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। मंगलवार की सुबह टीएसएमसी के ताइपे-सूचीबद्ध शेयरों में 1.75त्न की वृद्धि के साथ, निवेशकों ने भूकंप के बारे में चिंताओं को खारिज कर दिया। पर्वतीय हुलिएन काउंटी में आए भूकंप के झटकों से चट्टानों के गिरने के बाद कुछ सड़कें बंद होने की सूचना मिली है जिसके चलते सरकार ने स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी है। बता दें कि ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है और भूकंप के प्रति संवेदनशील है। 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जबकि 1999 में 7.3 तीव्रता के भूकंप में 2,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

भारतीय मूल के विवाहित व्यक्ति को 20 साल की सजा

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक विवाहित व्यक्ति को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराने के बाद 20 साल की सजा सुनाई गई। व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका को अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर धक्का दिया था, जिससे चोट लगने से महिला की मौत हो गई थी। एम कृष्णन ने मल्लिका बेगम राहतांसा अब्दुल रहमान (40) की अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर उसकी पिटाई की थी। मल्लिका की 17 जनवरी 2019 को मृत्यु हो गई थी। 40 वर्षीय कृष्णन ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में अपना दोष स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश वैलेरी थीन ने कहा कि कृष्णन ने 2018 में (पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के एक अन्य अपराध मामले के बाद) वादा किया था कि वह सुधर जाएगा, लेकिन उसने अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार जारी रखा। कृष्णन की पत्नी ने नवंबर 2015 में उसे और उसकी प्रेमिका को कमरे में एक साथ देखा था और दोनों शराब पी रहे थे, लेकिन उसने उस समय इस आशंका से कृष्णन से माफी मांग ली कि कहीं वह गुस्से में आकर उस पर शराब की बोतल ना फेंक दे। अदालत के दस्तावेजों में बताया गया है की कृष्णन ने 2017 में मल्लिका की एक छोटी सी बात पर पिटाई की थी। मल्लिका द्वारा कई पुरुषों के साथ यौन संबंध होने की बात स्वीकार करने के बाद दोनों के संबंध खराब होने लगे। 15 जनवरी, 2019 को मल्लिका और कृष्णनन जब घर में शराब पी रहे थे, तब उसी दौरान मल्लिका ने अन्य पुरुषों के साथ यौन संबंध होने और उस धोखा देने की बात कबूल की, जिससे नाराज होकर कृष्णनन ने अपनी प्रेमिका की पिटायी की और उसे धक्का दे दिया जिससे उसका सिर अलमारी से टकराया और उसकी मौत हो गई।

चीन में पुल से टकराकर जहाज डूबा, चार लापता

गुआंग्डोंग। दक्षिण चीन में एक जहाज के पुल से टकराने के बाद उसमें सवार चार लोग लापता हो गए। लापता लोगों की तलाश के लिए पुलिस अधिकारी और बचाव दल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत के फ़ोशान शहर जिउजियांग ब्रिज के एक घाट से टकरा गया और बाद में डूब गया। जिसमें चालक दल के 11 सदस्य थे। उनमें से सात लोगों को बचा लिया गया जबकि चार लोग लापता हैं। मंगलवार सुबह लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और समुद्री बचाव दल भेजे जा चुके हैं। दुर्घटना के कारण की जांच चल रही है। विशेषज्ञों ने पुल का प्रारंभिक मूल्यांकन किया और पाया कि पुल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पुल के घाट पर खरोंच के निशान थे, पुल की सुरक्षा के लिए मूल्यांकन करने की जरुरत है। फिलहाल आसपास के जलक्षेत्रों में यातायात चालू कर दिया गया है। यह जानकारी शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने दी।

आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाएंगे पाकिस्तान और ईरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और ईरान ने सैद्धांतिक रूप से अपने-अपने देशों में आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह निर्णय पाकिस्तानी आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के साथ उनके ईरानी समकक्ष अहमद वाहिदी और ईरान के न्याय मंत्री अमीन-होसैन रहीमी के बीच एक बैठक में लिया गया। बयान ने कहा कि पाकिस्तान और ईरान आपसी समर्थन में सुधार लाने और खुफिया जानकारी आदान-प्रदान करने के साथ ही आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं। जारी बयान में यह भी कहा गया कि इस संबंध में जल्द ही एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया। पाकिस्तान और ईरान एक-दूसरे के देश में जेलों में बंद अपने नागरिकों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने पर भी सहमत हुए। दोनों देशों ने सीमा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया जिसमें तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कदम उठाना शामिल है। दोनों ईरानी मंत्री, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के नेतृत्व वाले एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं, जो तीन दिवसीय पाकिस्तान की यात्रा आए हुए हैं।

कीव में यूक्रेनी सेना में शामिल होने के लिए जरुरी सैन्य परीक्षा में भाग लेते हुए नये रंगरुट।

चुपचाप चीन की निजी यात्रा पर रवाना हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पांच दिवसीय ''निजी यात्रा पर चीन रवाना हुए। शरीफ परिवार यात्रा को लेकर सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से बचा रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने बताया कि उसके सर्वोच्च नेता अपने पोते जुनैद सफदर और निजी कर्मचारियों के साथ लाहौर हवाई अड्डे से 'चाइनीज सदर्न एयरलाइंस' की उड़ान से एक निजी यात्रा पर चीन रवाना हुए।

पीएमएल-एन ने पूर्व पीएम शरीफ की चीन की पांच दिवसीय यात्रा के विस्तृत विवरण की जानकारी नहीं दी है। शरीफ चीन में चिकित्सकीय जांच कराएंगे और पंजाब में विकास परियोजनाओं के संबंध में कुछ चीनी कंपनियों के साथ बैठक करने वाले है। उनकी बेटी मरियम नवाज पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। बताया जा रहा है कि विदेश मंत्री इशाक डार भी उनके साथ यात्रा पर गए हैं। पीएमएल-एन हलकों में ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि शरीफ चीन में संभवत- किसी ''विशेष काम'' से गए हैं। शरीफ पहले कभी चिकित्सकीय कारणों से चीन नहीं गए। वह 2019 में चिकित्सकीय आधार पर ब्रिटेन गए थे और पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद 2023 में लौटे थे। उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ केंद्र में छह दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

ईरान पर बड़ा हमला करने जा रहा था इजरायल, एक फोन ने रोक ली बड़ी तबाही

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल रातों-रात तेहरान समेत ईरान के बड़े सैन्य ठिकानों को तबाह करना चाहता था, इतने बड़े हमले की योजना थी कि ईरान को व्यापक पैमाने पर नुकसान हो। इजरायली अधिकारियों ने इस बात का खुलासा किया है कि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ईरान को तगड़ी चोट देना चाहते थे लेकिन, एक फोन ने उनका इरादा बदल दिया। बता दे कि अभी इजरायल और ईरान के बीच हालात सामान्य होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ईरान के 13-14 अप्रैल को मिसाइल और ड्रोन हमले के जवाब में इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर प्लांट के पास मिसाइल हमला किया, यह तो कंफर्म हो चुका है। लेकिन, रिपोर्ट से पता चला है कि इजरायल की शुरुआती प्लानिंग यह नहीं थी।

तीन इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि ईरान के खिलाफ इजरायल की मूल जवाबी हमले की योजना में तेहरान सहित सैन्य ठिकानों पर व्यापक जवाबी हमला शामिल था। रिपोर्ट में इजरायली पीएम नेतन्याहू और बाइडेन ने फोन पर बातचीत में समझा कि इतने व्यापक और नुकसानदेह हमले को नजरअंदाज़ करना ईरान के लिए तब बहुत कठिन होता, जिससे ईरान के जबरदस्त जवाबी हमले की संभावना बढ़ जाती। इसलिए ऐन वक्त पर हमले की प्लानिंग और जगह को बदला गया। रिपोर्ट के अनुसार, गहन राजनयिक दबाव और दुनिया को एक और महायुद्ध से रोकने के लिए इजरायल ने अंततः यह

फैसला किया कि वह कम शक्तिशाली हमले का विकल्प चुनेगा। इजरायल का ईरान पर हमला गुरुवार-शुक्रवार के बीच रात के दरम्यान अंजाम दिया गया। इजरायली और पश्चिमी अधिकारियों का हवाला देते हुए, अखबार का यह भी कहना है कि इजरायल ने ईरान के पश्चिम में कई सौ मील की दूरी पर तैनात विमानों से छोटी संख्या में मिसाइलें दागीं, और ईरानी वायु सुरक्षा को भ्रमित करने के लिए छोटे हमले वाले ड्रोन भी लॉन्च किए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल की एक मिसाइल ने ईरान के एस -300 एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया था। इस इलाके के पास ईरान का परमाणु प्लांट है। इस हमले की इजरायल ने न ही आधिकारिक तौर पर जिम्मेदारी ली है और न ही ईरान ने खुद पर हमला होने की बात कबूली है। ईरान का कहना है कि अगर उस पर हमला हुआ होता तो उसकी वायु रक्षा प्रणाली ऐक्टिव हो जाती, जो कि ऐसा नहीं हुआ।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लगे आरोप को उनके वकील ने बताया झूठा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दो अलग-अलग मामलों में गंभीर आरोप हैं। क्या उन्होंने निष्पक्ष चुनाव के नतीजों को पलटकर और अवैध रूप से सत्ता में बने रहने का प्रयास किया था? वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर राष्ट्रपति अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित रूप से छुपाए गए पैसे के भुगतान को कवर करने के लिए कानून के तहत आरोप लगाया है। ट्रम्प पर तथाकथित गुप्त धन मामले में व्यावसायिक रिकॉर्ड को गलत साबित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है।

अभियोजकों ने कहा कि ट्रंप ने 2016 राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार को गुप्त रूप से धन देकर न केवल प्लेबॉय मॉडल के साथ अपने यौन संबंध को छिपाने की कोशिश की, बल्कि उन्होंने पैसे देने की जानकारी छिपाकर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को ही भ्रष्ट किया। हालांकि, ट्रंप के वकीलों ने कोर्ट में विरोधी वकीलों के आरोपों को नकार कर कहा, कि ट्रंप ने ऐसी कोई गलती नहीं की है। उनका आरोप था कि झूठे रिकॉर्ड राज्य और संघीय चुनाव कानून के उल्लंघन को कवर करने के प्रयास का हिस्सा थे, हालांकि यह अभी भी प्रत्यक्ष चुनाव हस्तक्षेप का प्रकार नहीं है जैसा कि ट्रम्प पर अन्यंत्र आरोप लगाया गया है। ट्रंप ने स्वयं न्यूयॉर्क मुकदमे और उनके खिलाफ तीन अन्य आपराधिक मामलों को चुनावी हस्तक्षेप के रूप में संदर्भित किया है, बिना सबूत के सुझाव दिया है कि वे व्हाइट हाउस में लौटने के उनके अभियान को कमजोर करने की डेमोक्रेटिक योजना का हिस्सा हैं। न्यूयॉर्क मामले को पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ सबसे कम परिणामी के रूप में देखा जाता है।

चेतावनी : मंगल से आ सकता है खतरनाक वायरस

– खतरों से निपटेगा नासा, अरबों रुपए करेगा खर्च

वॉशिंगटन (एजेंसी)। आज वैज्ञानिक तरह-तरह की चीजों पर पता लगा रहे हैं और कई ऐसी चीजें भी इजात कर रहे हैं जिससे मानवजाति को फायदे के साथ-साथ नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। यह पृथ्वी पर पैदा किए हुए हथियार ही नहीं। ग्रह, क्षुद्रग्रह, या उलकापिंड के जरिए आए खतरनाक और जानलेवा सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं। यह आशंका मंगल ग्रह से आने वाले नमूनों से जाहिर होती है और कोई भी इस संभावना को सिरे से खारिज नही कर सकता है। अब नासा इस तरह के खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष सुरक्षा में व्यापक बदलाव का मसौदा तैयार करने जा रहा है, इसके लिए अरबों डॉलर खर्च करने का तैयारी में है।

एस्ट्रोबायोडिफेंस फोर्स लाल ग्रह से आने वाले नमूनों के जरिए संभावित खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम होगा। नासा अंतरिक्ष सुरक्षा में व्यापक बदलाव का मसौदा तैयार करने जा रहा है, जिसमें अरबों डॉलर का खर्च आएगा। एक एस्ट्रोबायोडिफेंस बल जरूरी हो सकता है क्योंकि नासा मंगल ग्रह के टुकड़ों को हमारे ग्रह पर लाना शुरू कर रहा है। लाल ग्रह की सतह से लिए गए नमूनों को कुछ विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि सार्वजनिक निकायों ने चेतावनी दी है कि उन वस्तुओं से जुड़े पारिस्थितिक रूप से भूखे रोगाणु हमारे ग्रह पर फैल सकते हैं। किसी भी संभावित जैविक परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जैवरक्षा पर द्विदलीय आयोग पहले ही स्थापित किया जा चुका है। डेमोक्रेटिक कांग्रेस महिला डोना शालाला और पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी और रिपब्लिकन कांग्रेस महिला सुसान ब्रूक्स इन नमूनों को वापस लाने के चलते आने वाले खतरों के लिए चेता रही हैं। उन्होंने एक संयुक्त बयान जारी कर दुनिया को चेताया है कि अंतरिक्ष अन्वेषण हमारे समय की कुछ बड़ी चुनौतियां और अवसर प्रदान करता है, लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम खुद को नए और पहले से अप्रत्याशित खतरों से भी परिचित कराते हैं। नमूने लौटाने के लिए नासा के अरबों डॉलर के बजट के हिस्से के रूप में, अंतरिक्ष संगठन के पास 11 अरब डॉलर से भी कम है।

राष्ट्रपति मुइज्जू को लगने लगा- भारत की खिलाफत ही उन्हें सत्ता पर काबिज रखेगी

माले (एजेंसी)। मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हाल ही में हुए चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इससे पहले लग रहा था कि उन्हे इस चुनाव में ज्यादा नुकसान होने वाला है। तर्क दिए जा रहे थे कि भारत के साथ संबंध खराब होने के कारण मुइज्जू को नुकसान हो सकता है। लेकिन स्थिति बिलकुल विपरीत रही। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने संसदीय चुनाव में रिकॉर्ड 71 सीटों पर जीत दर्ज करके ''प्रचंड बहुमत'' हासिल कर लिया है। इस चुनाव को राष्ट्रपति मुइज्जू के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था। उनकी नीतियों को लेकर भारत और चीन की नजर रहती है। बंपर जीत के बाद मुइज्जू का बड़बोला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि आम चुनाव के नतीजों ने दुनिया को दिखा दिया कि मालदीव के लोग अपना भविष्य अपनी मर्जी से चुनते हैं और वे किसी तरह का विदेशी दबाव नहीं चाहते। भारत का नाम न लेते हुए उन्होंने कहा कि हिडन एजेंडे वाले लोगों के लिए भी यह स्पष्ट सबक है।

88 भारतीय सैन्य कर्मियों में से अधिकांश को भारत भेजने का फैसला लेने वाले चीनी समर्थक नेता मुइज्जू ने कहा, हम एक गौरवान्वित राष्ट्र हैं जो संप्रभुता और स्वतंत्रता से प्यार करते हैं, जिसे हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव परिणाम इस बात का सबूत है कि मालदीव के लोग देश के भविष्य को आकार देने में मुख्य पहचान के रूप में इस्लामी आस्था और उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों को बनाए रखना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि चुनाव का नतीजा मालदीव के लोगों के दृष्टिकोण और उद्देश्यों के बारे में शेष दुनिया के लिए एक संदेश है। राष्ट्रपति मुइज्जू ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, संसदीय चुनाव परिणाम यह साबित करने के लिए भी था कि मालदीव के लोग विदेशी दबाव के बिना अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं। उन्होंने पहले भारत पर मालदीव के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है और पिछले साल सितंबर में इंडिया आउट अभियान के साथ उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव जीता था। राष्ट्रपति ने कहा, हिडन एजेंडे वाले लोगों के लिए भी यह स्पष्ट हो गया है कि मालदीव के लोग क्या चाहते हैं। इसलिए, मैं उनसे आग्रह करता हूं कि अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो वे असंतोष को छोड़ दें। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का समर्थक माना जाता है। मालदीव में सरकार बनाते ही मुइज्जू ने भारत विरोधी कार्य शुरू कर दिए थे। उन्होंने राष्टपति बनने के बाद भारतीय सेना को वापस भेजना शुरू किया और चीन से दोस्ती को और गहरा किया। चीन की सरकार ने मालदीव में ऐतिहासिक जीत पर मुइज्जू को बधाई दी है। मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने रविवार को हुए चुनाव में 93 में से 68 सीट जीतीं और इसके गठबंधन साझेदारों-मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) तथा मालदीव डेवलपमेंट एलायंस (एमडीए) ने क्रमश-एक और दो सीट जीती हैं। मुइज्जू ने सोमवार को कहा कि आम चुनाव के नतीजों ने दुनिया को दिखाया है कि मालदीववासी अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं, विदेशी दबाव नहीं।

मौका मिलते ही गाजा के साथ कश्मीर का भी राग अलापने लगा पाक

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा से ही कश्मीर का राग अलापता रहा है। उसे जहां मौका मिलता है वो उसका फायदा उठाने की कोशिश करता है। हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी तीन दिन के पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे हैं। इस मौके पर सोमवार को पाकिस्तान ने एक बार फिर से इस्लामिक कार्ड खेला। गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे पाकिस्तान ने इस दौरान एक तरफ ईरान को कश्मीर के मसले पर साथ देने के लिए धन्यवाद दिया तो वहीं उसके साथ अपने रिश्ते को सदियों पुराना बताया। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि हमारे ईरान से रिश्ते 76 साल पुराने नहीं हैं बल्कि सदियों के हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भले ही 1947 में अस्तित्व में आया, लेकिन इस क्षेत्र से ईरान का पुराना नाता रहा है। यही नहीं जब पाकिस्तान बना तो उसे मान्यता देने वालों में ईरान सबसे आगे था। यही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दौरान इब्राहिम रईसी को अपना बिरादरी भाई बताया।

रईसी को जान-ए-बारादर संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा कि आपने ऐसे वक्त में गाजा के लिए आवाज उठाई, जब दुनिया में कोई साथ नहीं दे रहा था। यही नहीं इस दौरान शहबाज शरीफ ने गाजा में मारे गए 35 हजार लोगों को मुसलमानों का शहीद होना करार दिया। इसके अलावा उन्होंने कश्मीर का भी राग अलापा और गाजा से तुलना करते हुए कहा कि वहां भी भारत के अत्याचार की वजह से मुसलमानों का खून गिर रहा है। शहबाज शरीफ ने दुनिया के मुसलमानों से एकता की अपील भी की। इस तरह पाकिस्तान बाज नहीं आया और ईरान के राष्ट्रपति के दौरे पर कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। हालांकि इस मामले में ईरान ने उसे करारा झटका दिया। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने अपने बयान में गाजा के लिए समर्थन करने पर पाकिस्तान का शुक्रिया अदा किया। इस्लामिक एकता की भी बात कही, लेकिन कश्मीर का नाम तक नहीं लिया। इस तरह पाकिस्तान का एजेंडा ईरानी राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही खड़े-खड़े ध्वस्त कर दिया। उन्होंने खुलकर इस्लामिक एकता की वकालत की और कहा कि आज मुसलमानों को एकजुट रहने की जरूरत है। फिर भी कश्मीर के बारे में कुछ नहीं बोला। सऊदी अरब, तुर्की, ईरान जैसे बड़े

मुस्लिम देशों के नेताओं से मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के नेता कश्मीर का मुद्दा उठाते रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों से उसे झटका ही लगता रहा है। हालांकि तुर्की कई बार कश्मीर का मसला उठा चुका है, जिस पर भारत ने ऐतराज भी जताया था। गौरतलब है कि गाजा में इजरायली हमले में अब तक करीब 35 हजार लोग मारे जा चुके हैं।

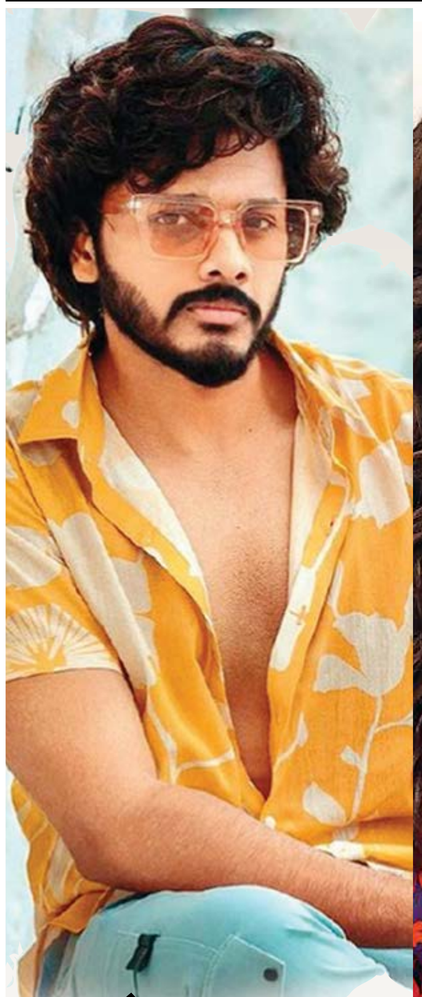

फिल्मों के मामले में हीरोइनों के लिए दायरा बढ़ रहा है

अपने करियर में हर तरह के महिला किरदारों में रंग भर चुकी विद्या बालन को अभिनय का पावर हाउस कहा जाता है। मगर इस बार वे चर्चा में हैं अपनी रोमांटिक-कॉमिडी फिल्म दो और दो प्यार से, जो शादी, प्यार और विवाहेतर संबंधों पर आधारित है। इस खास मुलाकात में विद्या अपनी फिल्म, रोमांस, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, शादी, पति सिद्धार्थ रॉय कपूर, नायिका प्रधान फिल्मों, महिला मुद्दों और सोशल मीडिया जैसे विषयों पर बातें करती हैं।

आपकी फिल्म दो और दो प्यार विवाहेतर संबंधों पर आधारित है। आप शादी में चीटिंग या इन्फिडेलिटी को कैसे देखती हैं?

मुझे आप निजी तौर पर पूछें, तो ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। पर यदि ये स्थिति किसी और के साथ है, तो मैं समझ सकती हूं, जजमेंटल नहीं होती। कई बार शादी में आपको लगता है कि आपके पार्टनर आप पर ध्यान नहीं दे रहे या कई बार ऐसा भी होता है कि आप उनको दिखाई नहीं देते, रोजमर्रा की जिंदगी में इतने उलझ जाते हैं कि एक-दूसरे को भूल जाते हैं, तो ऐसे में शादी से बहार रिश्तों में पड़ने की संभावना बन जाती है।

आपको नायिका प्रधान फिल्मों की झंडाबरदार कहा जाता है। हाल ही में यामी गौतम की आर्टिकल 370 और करीना, तब्बू, कृति की क्रू जैसी हीरोइन ओरिएंटेड फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस किया।

जब मुझे इस तरह का श्रेय दिया जाता है, तो बहुत खुशी होती है। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं सही समय पर सही जगह पर थी, क्योंकि बदलाव सिर्फ मैं अकेली नहीं ला सकती थी। ये दौर शुरू हो रहा था और मैं उस समय सही जगह पर थी। हां, चुनौतियां थीं, बजट की, हीरो मिलने की। अभी भी कहानी जैसी फिल्म लेकर हम किसी हीरो के पास जाते, तो वो नहीं करते। मगर खुशी है कि पहले तो क्रू जैसी फिल्म बनी और इतनी चली है। इस हलकी-फुलकी कॉमिक मूवी को लोगों ने पसंद किया, क्योंकि इंटेंस फिल्मों से लोग थक गए हैं। फिल्मों के मामले में हीरोइनों के लिए दायरा बढ़ रहा है।

आप अपनी नई फिल्म दो और दो प्यार में कॉमिडी और रोमांस के अलग रंग में नजर आ रही हैं?

ये रोल करके मेरे अंदर की लड़की बहुत खुश हुई है। सच कहूं, तो ये रोमांस, कॉमिडी और लड़कीपन मेरे अंदर है और मुझे इस रोल को करने में बहुत मजा आया, क्योंकि इसमें कम से कम मुझे तैयार होने का मौका तो मिला। ये सच है कि ये एक अर्बन कहानी है और रोल भी लाइट है, तो लुक कैजुअल ही है। मुझे इतना भी तैयार होने मिला, तो मैं बहुत खुश हूं। इसलिए भी कि मैं बहुत रोमांटिक हूं असल जिंदगी में, तो मुझे रोमांस, गाने फूल, पत्ते, बारिश सब बहुत अच्छा लगता है। मैं निजी जिंदगी में जैसी हूं, उसे मुझे दोहराने का मौका मिला। ये स्क्रिप्ट बहुत खूबसूरती से लिखी गई है। ये काफी रियल है, हालांकि रोमांटिक कॉमिडी है और इसमें हलके-फुलके ढंग से एक बहुत बड़ी बात कही गई है।

यों तो आप सर्वगुण संपन्न अदाकारा हैं, मगर इन दिनों आपका काफी वेट लॉस देखने मिला है, कोई खास कारण?

नहीं,नहीं। कोई खास कारण नहीं। असल में मेरा एक हेल्थ इश्यू सॉर्ट आउट हो रहा है, जो काफी सालों से था। वो हेल्थ इश्यू सुलझने की वजह से मेरा वजन खुद-ब-खुद कम हो रहा है। मैंने इसके लिए कोई खास प्रयास नहीं किया है।

दुश्मनों का खात्मा करने महायोद्धा बनकर लौट रहे अभिनेता तेजा सज्जा

दक्षिण भारतीय अभिनेता तेजा सज्जा हनु-मान की सफलता के बाद एक बार फिर से महानायक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। अभिनेता की आगामी फिल्म की पहली झलक निर्माताओं ने साझा की है। इसमें अभिनेता एक महानायक की भूमिका में दिख रहे हैं। इसकी पहली झलक देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म इतिहास से जुड़ी हुई है। दर्शकों को फिल्म में भरपूर एक्शन भी देखने को मिलेगा। बता दें कि इसी के साथ फिल्म के रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी गई है।

तेजा सज्जा बनेंगे महायोद्धा

फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, 'प्राचीन कथाओं के गुप्त रहस्यों से एक महायोद्धा की रोमांचकारी और साहसिक गाथा' इससे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि फिल्म में भूतकाल से जुड़ी कहानी को प्रदर्शित किया गया है।

फिल्म का शीर्षक आया सामने

इसी के साथ फिल्म का शीर्षक भी सामने आ चुका है। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक 'मिराय' रखा है। तेजा सज्जा फिल्म की पहली झलक में एक लाठी के साथ नजर आते हैं। वह एक ज्वालामुखी पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिनेता काफी भयंकर दिख रहे हैं। उनके पीछे हम एक ग्रहण को देख सकते हैं। फिल्म की पहली झलक देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि यह फिल्म काफी रोमांचकारी और एक्शन से भरपूर होगी।

सम्राट अशोक से है संबंध!

फिल्म की पहली झलक में एक साधु के द्वारा बार-बार सम्राट अशोक और कलिंग का नाम लिया जा रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म सम्राट अशोक और उनके रहस्यों से जुड़ी हुई हो सकती है। बता दें कि फिल्म हिंदी समेत आठ भाषाओं में रिलीज की जाएगी। जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नण, मलयालम, बंगाली, मराठी और चाइनीज भाषा शामिल है। फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मानुषी ने जाहिर की वांगा के साथ काम करने की इच्छा

एक्टर मानुषी छिल्लर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में नजर आ रही हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी सफर पर बात की। मानुषी ने बताया कि डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें फिल्म 'कबीर सिंह' में कियारा आडवाणी वाला रोल ऑफर किया था। मानुषी ने यह भी कहा कि वो वांगा के साथ काम करना चाहती हैं। एक इंटरव्यू में मानुषी ने कहा कि वो संदीप रेड्डी वांगा के काम को पसंद करती हैं। खास तौर पर संदीप जिस तरह अपनी फिल्मों में वुमन कैरेक्टर्स को पोट्रे करते हैं वो मानुषी को बहुत पसंद है। मानुषी ने फिल्म 'एनिमल' में निभाए रश्मिका मंदाना के किरदार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'एक पूरी फिल्म जहां कई सारे आदमी एक दूसरे से लड़ रहे हैं। उसमें रश्मिका के कैरेक्टर ने अपनी स्पेस बनाकर रखी। उनके कैरेक्टर में कुछ अलग था और रश्मिका ने इसे बखूबी निभाया। वह एक ऐसा रोल है जिसे मैं करना पसंद करूंगी।'

खतरों से खेलेंगे समर्थ जुरेल!

गश्मीर महाजनी भी होंगे हिस्सा?

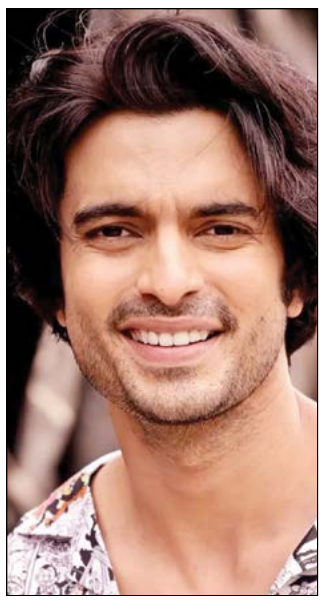

'खतरों के खिलाड़ी सीजन 14' के दो और प्रतिभागियों का नाम सामने आ रहा है। दावा किया जा रहा है कि समर्थ जुरेल और गश्मीर महाजनी इस शो का हिस्सा बनेंगे। समर्थ जुरेल ईशा मालवीय से अपने ब्रेकअप की अफवाहों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हैं। ईशा मालवीय से अपने ब्रेकअप की अफवाहों के बीच समर्थ जुरेल खतरों से खेलने के लिए तैयार हैं। 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 14' के प्रसारित होने का समय जहां धीरे-धीरे नजदीक आ रहा है, वहीं, इसके प्रतिभागियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब रोहित शेट्टी के इस शो को लेकर दो और नाम सामने आए हैं। जिसमें एक नाम समर्थ जुरेल का है और दूसरे प्रतिभागी हैं गश्मीर महाजनी। गश्मीर 'तेरे इश्क में घायल' के बाद अब इस टीवी शो में नजर आएंगे। बता दें कि दावा किया जा रहा है शो के सभी प्रतिभागी मई तक बुल्गारिया में शूट के लिए निकल देंगे।

एक्स गर्लफ्रेंड के एक्स ब्वॉयफ्रेंड से होगा सामना

समर्थ जुरेल की ईशा मालवीय से ब्रेकअप की अफवाहें अपने चरम पर हैं। कहा जा रहा है कि 'खतरों के खिलाड़ी' शो में उनका सामना उनकी कथित एक्स गर्लफ्रेंड ईशा मालवीय के कथित एक्स ब्वॉयफ्रेंड से होगा। हालांकि, अभी तक दोनों अभिनेताओं की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ये लोग भी आएंगे नजर

'खतरों के खिलाड़ी' का पिछला सीजन साउथ अफ्रीका में शूट हुआ था। अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस बार इसकी शूटिंग बुल्गारिया में होगी। बता दें की खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन में मुनव्वर फारूकी, सनाया ईरानी, मन्नारा चोपड़ा, गश्मीर महाजनी, अंकिता लोखंडे, शोएब इब्राहिम और हेली शाह नजर आ सकते हैं।

दीपिका पादुकोण के बाद अब प्रियंका चोपड़ा भी फैशन इवेंट में नहीं करेंगी शिरकत

दुनिया के प्रतिष्ठित फैशन इवेंट्स में से एक मेट गाला 2024 में इस साल प्रियंका चोपड़ा नजर नहीं आएंगी। उन्होंने खुद कंफर्म किया है कि वो इस बार इवेंट का हिस्सा नहीं होंगी। उन्होंने वजह का भी खुलासा कर दिया है और हॉलीवुड एक्ट्रेस जेंडाया के बारे में भी बोला है। मालूम हो कि इससे पहले दीपिका को लेकर खबर आई थी कि वो इस साल मेट गाला के रेड कारपेट पर अपना जलवा नहीं बिखेरेंगी। यानी इस बार मेट गाला में बॉलीवुड की दो हसीनाओं को फैंस मिस करने वाले हैं। डॉक्युमेंट्री मूवी टाइगर के प्रमोशन के वक्त प्रियंका चोपड़ा ने एक्सेस हॉलीवुड को बयान दिया कि वर्क कमिटमेंट्स के कारण वो इस साल मेट गाला का हिस्सा नहीं बन पाएंगी।

अक्षय कुमार के साथ इस किरदार में दिखेंगे साउथ सुपरस्टार प्रभास

कृति सेनन को भी मिला दमदार रोल

साउथ अभिनेता और फिल्म निर्माता मांचू विष्णु अपनी महत्वकांक्षी परियोजना कन्नप्पा को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। आज मांचू विष्णु ने बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार का फिल्म के कलाकारों में शामिल होने के लिए स्वागत किया। अक्षय कुमार इस फिल्म के जरिए अपना साउथ डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय के शामिल होने की खबर खुद मांचू विष्णु ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए दी थी। वहीं अब फिल्म में साउथ सुपरस्टार प्रभास के किरदार के बारे में दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

शिव की भूमिका नहीं निभाएंगे प्रभास!

दरअसल, साउथ सुपरस्टार प्रभास मांचू विष्णु की कन्नप्पा में एक अतिथि भूमिका में दिखाई देंगे, जिसकी शूटिंग चल रही है। फिल्म में कई मशहूर कलाकार प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि प्रभास फिल्म में भगवान शिव के रूप में नजर आएंगे, लेकिन टीम ने चुप्पी साध रखी है और उनकी भूमिका के बारे में कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं अब खबर आई है कि प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। उम्मीद है कि वे जल्द ही सेट पर शामिल होंगे और एक ही शेड्यूल में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर लेंगे। चर्चा है कि प्रभास की टीम ने उनकी आगामी विज्ञान-फाई फिल्म कल्कि एडी 2898 में भगवान महा विष्णु के समान चरित्र के चित्रण को देखते हुए

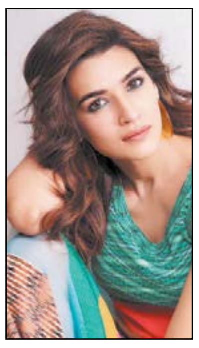

कन्नप्पा टीम से अभिनेता के लिए एक अलग भूमिका निर्धारित करने का अनुरोध किया। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि भगवान शिव की भूमिका अक्षय कुमार निभाएंगे। वहीं प्रभास फिल्म में अब नंदी का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही खबर है कि फिल्म में कृति सेनन को भी खास भूमिका मिली है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

इटली के मिलान में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं सुहाना खान

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इटली में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। सुहाना ने स्ट्रीमिंग फिल्म द आर्चीज से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर इटली में अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में, उन्हें इटली की गलियों में घूमते, स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते, मिलान की सुंदरता को देखते और नए फैशन आउटफिट आज़माते हुए देखा जा सकता है। उसने तस्वीरों को बस कैप्शन दिया, चाओ! सुहाना की दोस्त अनन्या पांडे ने पोस्ट पर जवाब दिया, तुमको शॉपिंग करते देख सकती हूं। इस बीच, काम के मोर्चे पर, सुहाना अगली बार द किंग के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू करने वाली हैं।

जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने दीव के केवड़ी, फुदम और गांधीपारा में मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। दीव में आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के मद्देनजर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने हेतु चुनाव संबंधी तैयारियों का जायजा लेने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की दीव जिले हेतु नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने 23 अप्रैल 2024 को दीव के केवड़ी, फुदम और गांधीपारा स्थित मतदान केंद्रों का दौरा किया और वहां मतदान संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। ऑब्जर्वर महोदया ने उपस्थित अधिकारियों से मतदान केंद्रों पर चुनाव की तैयारियों के बारे में जरूरी जानकारी ली और इससे जुडे विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

दीव के पटेलवाडी में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

■ हनुमानजी की मूर्ति स्थापना के साथ तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। दीव के पटेलवाडी में धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इसके साथ ही नवनिर्मित मंदिर में विधि-विधान से हनुमानजी की मूर्ति की स्थापना के साथ ही तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव भी संपन्न हो गया। तीन दिवसीय यज्ञ का भी आयोजन किया गया था, जिसकी आज पूर्णाहुति हुई। जय श्री राम की जयघोष के साथ यजमानों के हाथों पंडित द्वारा हनुमानजी की मूर्ति स्थापित करायी गयी। मूर्ति की पूजा-अर्चना के साथ ही कलश-त्रिशूल तथा ध्वजा की पूजा की गयी और ध्वजारोहण किया गया। दोपहर को महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यह पूरा धार्मिक कार्यक्रम बेटावाडी से झोलावाडी संयुक्त हिन्दू कोली समाज द्वारा आयोजित किया गया था।

चैत्र पूनम के अवसर पर दीव के पटेलवाडी में लगा मेला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। चैत्र पूनम के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीव के पटेलवाडी में भव्य लगा था। जिसमें बडी संख्या में लोगों ने पहुंचकर मेला का आनंद उठाया। साथ ही भवानी माता मंदिर में दर्शन भी किया। पटेलवाडी में लगे इस मेले में दीव जिले की सभी जाति के लोग शामिल हुए।

दीव के नागवा एयरपोर्ट पर जेटी ग्रुप ने मनायी हनुमान जयंती

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। दीव के नागवा एयरपोर्ट के पास स्थित हनुमान मंदिर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जेटी ग्रुप द्वारा हनुमान जयंती मनायी गयी। जेटी ग्रुप के युवाओं ने हनुमान दादा की प्रतिमा के समक्ष केक काटकर हनुमान जयंती मनायी। इसके बाद महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर महाप्रसाद का लाभ लिया।

लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के मद्देनजर

स्वीप गतिविधियों संबंधी जागरूकता हेतु गैलेक्सी इंग्लिश मीडियम स्कूल में आयोजित हुई क्वीज प्रतियोगिता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अप्रैल। दीव में आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 हेतु स्वीप गतिविधियों संबंधी जागरूकता के लिए 23/04/2024 को गैलेक्सी इंग्लिश मीडियम स्कूल दीव में क्वीज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग से दीव जिले हेतु नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी उपस्थित रहीं। स्वीप गतिविधियों संबंधी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस क्वीज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की कुल 8 टीमों ने भाग लिया, जिसमें कुल 50-60 विद्यार्थी प्रतिभागी शामिल थे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाली तीन सफल प्रतिभागी टीमों को पुरस्कार के तौर पर प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी वितरित किए गए। जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने प्रतिभागी विद्यार्थियों से स्वीप गतिविधियों संबंधी प्रश्न पूछे और विद्यार्थियों ने उनके उत्तर दिये। ज्ञात हो कि दमण एवं दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 7 मई 2024 को आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव हेतु मतदान का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में दीव प्रशासन द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। गैलेक्सी इंग्लिश मीडियम स्कूल दीव में स्वीप गतिविधियों संबंधी जागरूकता हेतु क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन इन जागरूकता कार्यक्रमों की एक कड़ी है। उल्लेखनीय है कि आगे भी ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन जारी रहेगा ताकि दीव में स्वीप जागरूकता गतिविधियों संबंधी व्यापक जागरूकता फैलाई जा सके।

दादरा नगर हवेली के सभी हनुमान मंदिरों में आयोजित हुआ हनुमान जयंती महोत्सव

■ आमली हनुमान मंदिर से लेकर जिले के सभी हनुमान मंदिरों में हवन, पूजन के साथ-साथ महाप्रसाद के लिए देखी गई लंबी लाइन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 अप्रैल। दादरा नगर हवेली में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी भारत के ग्राम देवता कहे जाने वाले बजरंगबली हनुमान के जन्मोत्सव पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ के साथ-साथ यज्ञ और हवन सहित महाप्रसाद का कार्यक्रम आयोजित किया। कई जगह पर भजन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। सुबह से ही चारों तरफ भक्ति और उल्लास का माहौल था। हर कोई बजरंगबली के मंदिर की तरफ जाता हुआ दिखाई दे रहा था। हनुमान मंदिर पर सुबह से ही लंबी कतारें देखी जा रही थी और हर कोई हनुमान जयंती के मौके पर अपनी भक्ति के माध्यम से राम भक्त हनुमान का परम भक्त बनने का प्रयास कर रहा था। इसी संदर्भ में आमली हनुमान मंदिर, बाविसा फलिया पंचमुखी हनुमान मंदिर, लवाछा ब्रह्म ऋषि हनुमान मंदिर, तंबाडी पंचमुखी हनुमान मंदिर सहित जिले भर के सभी हनुमान मंदिरों में महाप्रसाद, हवन और भजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। आमली हनुमान मंदिर में पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से प्रत्येक हनुमान जयंती पर आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम यथावत आयोजित किए गए और हजारों की संख्या में लोगों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया।

शादी की लालच देकर विधवा से दुष्कर्म करने वाला विधर्मी निकला कुख्यात अपराधी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस)। राजकोट से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें एक विधर्मी ने शादी की लालच देकर विधवा महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। दुष्कर्म का शिकार महिला ने तीन संतानों को जन्म दिया। सच्चाई सामने आने के बाद पीड़ित महिला ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट की 34 वर्षीय विधवा महिला ने राजकोट के महिला पुलिस थाने में 36 वर्षीय यासीन उर्फ भूरो कैयडा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। टिफिन सर्विस और कपड़े व्यवसाय से जुड़ी महिला के पति ने करीब 14 साल पहले आत्महत्या कर ली थी। 8 साल पहले विधवा महिला का यासीन उर्फ भूरा के साथ संपर्क हुआ। शुरूआत में दोनों के बीच मोबाइल से बातचीत होती और उसके बाद मिलना जुलना शुरू हुआ। उस वक्त यासीन ने अपनी पहचान राहुल प्रजापति के तौर पर दी थी। साथ ही बताया था कि उसका पत्नी के साथ तलाक हो गया है। इतना ही यासीन ने महिला को अपना माता-पिता और बहन से भी मिलवाया था। बाद में यासीन ने महिला के समक्ष रिलेशनशिप में रहने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि बाद वह उससे शादी कर लेगा। विधवा महिला यासीन के झांसे में आ गई और रिलेशनशिप में रहने को तैयार हो गई। जिसके बाद महिला यासीन के साथ एक ही फ्लैट में रहने लगी। उस दौरान शादी की लालच देकर यासीन ने महिला के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जिसकी वजह से तीन बार गर्भवती हुई और तीन संतानों को जन्म दिया। जिसमें एक संतान की मौत हो चुकी है। उसी दौरान यासीन गुजसीटोक के मामले में साढ़े तीन साल तक जेल में भी रहा। जेल से बाहर आने के बाद यासीन की माता ने उसके कान भरने शुरू कर दिए। यासीन से कहा कि पीड़िता किसी के साथ फोन पर बातचीत करती है। जिसे लेकर यासीन पर उस पर शक करने के साथ ही मारपीट करने लगा। उस दौरान पीड़िता जब कभी यासीन से शादी की बात करती तो वह कोई ना कोई बहाना बताकर टाल देता। साथ ही टिफिन सर्विस और कपड़े व्यवसास से होनेवाली आय जबर्दस्ती ऐंठ लेता था। यासीन की यातनाओं से तंग आकर पीड़िता ने आखिरकार उसके खिलाफ राजकोट के महिला पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने यासीन उर्फ भूरा कैयडा को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक विधर्मी आरोपी के खिलाफ बीते 9 सालों के भीतर 5 जितने मामले दर्ज हो चुके हैं। जिसमें हत्या की कोशिश, मारपीट, गुजसीटोक समेत मामले शामिल हैं। वर्ष 2019 में आरोपी के खिलाफ पासा के तहत कार्यवाही की गई थी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)